हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

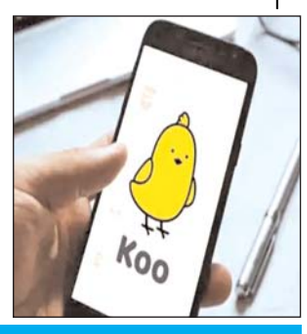

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती दो मैचों से बाहर हुए | सम्पादकीय | कुदरत की फिक्र | भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू बंद हुआ | 5

वर्ष 11 अंक 42 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, गुरूवार 04 जुलाई 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

मध्यप्रदेश बजट : वित्त मंत्री ने 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

पुलिस में 7500, टीचर्स की 11 हजार भर्तियां होंगी, कैंडिडेट्स की एग्जाम फीस एमपी सरकार भरेगी, लाड़ली बहनों को 1250 रुपए ही मिलेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही नर्सिंग घोटाले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने शोर-शराबे के बीच ही बजट भाषण पढ़ा।

वित्त मंत्री ने 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जो पिछले बजट से 16त्न अधिक है। इसमें कोई नया कर नहीं लगाया गया है। लाड़ली बहनों को हर महीने मिलने वाली राशि भी नहीं बढ़ाई है। यानी उनको हर महीने 1250 रुपए ही मिलेंगे। पुलिस महकमे में 7500 और स्कूल शिक्षा में 11 हजार पदों पर भर्तियां की जाएंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, एमपी में होने वाली सभी एग्जाम की फीस सरकार भरेगी।

विपक्ष ने हंगामे के बीच मंत्री विश्वास सारंग को बर्खास्त करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कल मंत्री सारंग ने गलत जानकारी दी है, इसलिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के बीच वित्त मंत्री बजट भाषण पढ़ते रहे।

सीएम बोले- बजट की थीम विकसित भारत, कोई कर नहीं बढ़ाया

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा ये पहला बजट है, जो 3.60 लाख करोड़ का है। इस बजट की थीम विकसित भारत है। बजट के पहले हमारी सरकार ने बजट दोगुना करने का लक्ष्य लिया है। 16त्न बजट का आकार बड़ा है। बाकी के 4 बजट में 100त्न बढ़ेगा। इस बजट में कोई कर नहीं बढ़ाया गया। सभी विभागों को मांग से ज्यादा राशि दी गई हैं। वेतन-भत्ते का खर्च रोका गया है। सरकार वित्तीय नियंत्रण में काम करेगी। इंवेस्टमेंट के लिए रीजनल समिट उज्जैन के बाद जबलपुर सागर, रीवा सहित अलग-अलग जगहों पर होगी।

एसटी-एसटी को मुख्यधारा में लाने के लिए 31,756 करोड़

अनुसूचित जनजाति वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए अनुसूचित जनजाति उपयोजना में 40 हजार 804 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। ये पिछले बजट से 3 हजार 856 करोड़ अधिक है। वहीं, अनुसूचित जाति वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना में 27 हजार 900 करोड़ का प्रावधान किया है।

मध्य प्रदेश बजट 2024-25 के प्रस्ताव एवं प्रावधान

● स्कूल शिक्षा विभाग में 11000 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें सामान्य शिक्षकों के अलावा संगीत और खेल के शिक्षक भी शामिल हैं।

● मध्य प्रदेश पुलिस डिपार्टमेंट में 7500 रिक्त पदों पर भारती की जाएगी। या भर्ती प्रक्रिया विधानसभा सत्र के समाप्त होते ही शुरू हो जाएगी।

● मध्य प्रदेश में अगले 1 साल में 22 नई ढ्ढञ्जढ्ढ शुरू की जाएगी। फिलहाल मध्य प्रदेश में 268 सरकारी आईटीआई हैं। 22 नई आईटीआई शुरू होने से 5280 सीट बढ़ जाएंगी।

● मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा उम्मीदवारों से ली जाने वाली परीक्षा फीस में कटौती की जाएगी।

● मंदसौर, नीमच और सिवनी में इस साल सरकारी मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएंगे।

● पीएम ई-बस योजना के तहत छह शहरों में 552 ई बसें चलाई जाएंगी। ये ई-बसें इंदौर, भोपाल, जबलपुर,ग्वालियर, उज्जैन व सागर में चलेंगी।

● 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 500 करोड़ का प्रावधान। इससे उज्जैन और आसपास के 10 जिलों में विकास कार्य किए जाएंगे।

● ई-विधायक ऑफिस योजना के तहत प्रति विधायक 5 लाख रुपए दिए जाएंगे।

● सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने पर पार्थिव देव को घर तक सम्मानजनक ढंग से पहुंचाने के लिए शांति वाहन सेवा शुरू की जाएगी।

● सरकारी कर्मचारियों के भविष्य निधि भुगतान की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इससे रिटायरमेंट बाद तत्काल भुगतान हो सकेगा।

● उज्जैन में चना और ग्वालियर में सरसों अनुसंधान संस्थान की स्थापना की जाएगी।

● पीएम आवास योजना के लिए 4 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान।

● बैगा, भारिया, सहरिया जैसी पिछड़ी जनजातियों के बच्चों के लिए 22 नए छात्रावास खोले जाएंगे।

● महिला स्व-सहायता समूहों को बड़े बाजारों से जोड़ने के लिए 800 करोड़ का प्रावधान।

● मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 4 हजार 900 करोड़ रुपए का प्रावधान।

● अटल कृषि योजना में 11 हजार 65 करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान।

● लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के लिए 10 हजार 279 करोड़ का प्रावधान।

● सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण व संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़।

● अटल कृषि ज्योति योजना में 10 हॉर्सपावर ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी के लिए 11 हजार 65 करोड़।

● बालाघाट, सागर, शहडोल, नर्मदापुरम और मुरैना में आयुर्वेद चिकित्सालय शुरू किए जाएंगे।

● हेल्थ सेक्टर के लिए 21 हजार 144 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

● पैक्स (प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटी) संस्थाओं के कम्प्यूटरीकरण के लिए 32 करोड़।

● संस्कृति विभाग के लिए एक हजार 81 करोड़ का बजटीय प्रावधान, यह वर्ष 2023-24 से ढाई गुना ज्यादा।

● मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए 50 करोड़, वन एवं पर्यावरण के लिए 4 हजार 725 करोड़ राशि का प्रावधान।

● पर्यटक सुविधाओं के लिए 666 करोड़ का बजट प्रावधान। ये 2023-24 से 100 करोड़ ज्यादा है।

जम्मूः ब्रेक फेल हुई बस को जवानों ने खाई में गिरने से रोका, अमरनाथ दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल में एनएच-44 पर भारतीय सेना की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। यहां मंगलवार को अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस का ब्रेक फेल हो गया। हाईवे के किनारे गहरी खाई थी। बस में 45 लोग सवार थे, जो अमरनाथ से पंजाब लौट रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बनिहाल के पास नचलाना पहुंचने पर ड्राइवर को ब्रेक फेल होने का पता चला। बस काफी स्पीड में थी। ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया था, जिससे गाड़ी तेजी से खाई की तरफ बढ़ने लगी। इससे बस में सवार यात्री दहशत में आ गए। जान बचाने के लिए यात्री चलती बस से कूदने लगे। इसी दौरान सेना और पुलिस के जवानों ने बस की स्पीड को कम करने की कोशिश की। उन्होंने बस के पहियों के नीचे पत्थर रख दिए। इससे बस रुक गई और खाई में गिरने से बच गई। इस तरह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सेना के जवान बस के पीछे भागते हुए नजर आए। पुलिस ने बताया कि बस अमरनाथ से पंजाब के होशियारपुर जा रही थी। हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों में 6 पुरुष और 3 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। इनमें से कुछ को गंभीर चोटें भी आई हैं।

स्वामी अवधेशानंद जी के पुनीत सानिध्य में अम्बाला छावनी में गुरूपूर्णिमा से एक दिन पूर्व हुआ सत्संग कार्यक्रम

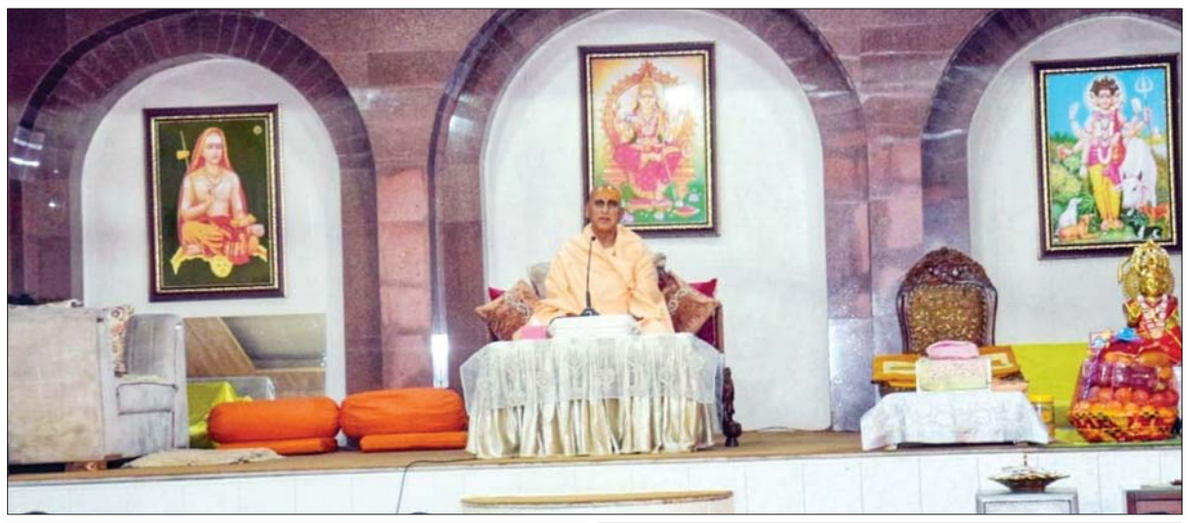

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अम्बाला छावनी। बुधवार को प्रभु प्रेम आश्रम, अम्बाला छावनी (हरियाणा) में श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज के पावन सानिध्य में श्री गुरुपूर्णिमा से पूर्व 'एक दिवसीय सत्संग' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्वामी जी ने गुरु पादुका पूजन किया एवं समष्टि के कल्याण की प्रार्थना की। अपने आशीष उद्बोधन में स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि गुरु-तत्व जन्म-मृत्यु, लाभ-हानि, जीवन-मरण से परे दिव्य समाधान कारक सत्ता है।

'गुरु' शब्द की महनीयता का प्रतिपादन करते हुए स्वामी जी ने कहा कि गुरु ऐसे शिल्पी होते हैं जो अनगढ़ पत्थर को मूर्ति का रूप दे देते हैं। जो अपने सदुपदेशों के माध्यम से शिष्य के अज्ञानरुपी अंधकार को नष्ट कर देते हैं, जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं, सद्ज्ञान देते हैं और हमारे प्रश्नों, शंकाओं और चिन्ताओं का समाधान प्रदान करते हैं। गुरु ही मुक्ति दाता है। गुरु-तत्व हमारे जीवन में व्याप्त है। सदुरु न केवल आपको ज्ञान से भरते हैं, बल्कि वह आपके भीतर जीवन ऊर्जा की ज्योति भी जलाते हैं। गुरु की उपस्थिति में आप और भी अधिक जीवन्त हो जाते हैं। उपनिषद के अनुसार, गुरु के पांच लक्षण हैं - ज्ञान रक्षा, दुःख क्षय, सुख आविर्भाव, समृद्धि एवं ऐश्वर्यवर्धन। सदुरु की उपस्थिति में ज्ञान पुष्पित पल्लवित होता है और दुःख क्षीण होने लगता है। बिना कारण आपका मन प्रसन्न रहता है और सभी योग्यताएँ बढ़ जाती हैं। इस अवसर पर प्रभु प्रेमी संघ की अध्यक्षा पूजनीया महामण्डलेश्वर स्वामी नैसर्गिका गिरि जी, संस्था के न्यासीगण, अधिकारी गण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रही।

अहंकार हमारी आध्यात्मिक इच्छाओं को समाप्त कर देता हैः स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- वर्तमान समय में भौतिकीय सुख वाँछाओं में अभिवृद्धि हो रही है और स्वार्थ की प्रबलता इतनी अधिक है कि परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति प्रेम अपनत्व की भावना गौण होती जा रही हैं। संवेदनायें मात्र समाचार और सूचनाओं में परिवर्तित हो गई हैं। हम अपने उत्तरदायियों के प्रति उतने संवेदनशील और सजग नहीं हैं। निःसन्देह हमें यह समझना होगा कि यांत्रिकीय उपकरण और विविध तकनीकी विधाएँ कभी भी आत्मीय सुख और प्रसन्नता का आधार नही हो सकते। आइये ! स्वाभाविक जीवन जीएँ .. ! स्वभाव की यात्रा का नाम ही अध्यात्म है। आध्यात्मिक यात्रा में हार-जीत, मान-सम्मान, लाभ-हानि का कोई महत्व नहीं है। अध्यात्म के साधक के लिए ये बहुत छोटी बातें हैं। सामान्य व्यक्ति ही ये सोचता है कि सब मुझसे आगे चले गए, मैं पीछे रह गया। आध्यात्मिक व्यक्ति कभी भी किसी से द्वेष की भावना नहीं रखता है। किसी से स्पर्धा ही करना चाहते हैं तो स्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। हमारा स्वभाव अच्छा होना चाहिए। कर्ता होने का अहंकार हमारी आध्यात्मिक इच्छाओं को समाप्त कर देता है। अहंकार नहीं रहेगा तो हम सजग रहेंगे। हम जितने अधिक सावधान, विनम्र और सरल रहते हैं, उतने ही हम स्वभाविक रहते हैं। किसी भी तरह की बनावट को अपने स्वभाव में न आने दें।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि- आध्यात्मिक जीवनशैली में स्वाभाविक रूप से जीवन की सिद्धि-सफलता, समाधान और कल्याण के सूत्र समाहित हैं। आध्यात्मिक अन्तःकरण में सर्व-स्वीकार्यता, क्षमाशीलता, विनय और परमार्थ जैसे अनेक सद्गुणों का स्थायी वास रहता है। अतः आध्यात्मिक जीवन अभ्यासी बनें। आत्मा के अनुसंधान के विज्ञान को ही 'अध्यात्म' कहते हैं। इसके लिए आपको कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। केवल और केवल आत्म-निरीक्षण करने की आवश्यकता है। अपनी मनोभूमि में छुपे बैठे जन्म-जन्मान्तर के कुसंस्कारों तथा कषाय कल्मषों को जड़-मूल से उखाड़ने की आवश्यकता है। अपने अंतःकरण में ईश्वरीय सद्गुणों के बीज बोने तथा उन्हें श्रद्धा और विश्वास के साथ तत्परता, तन्मयता, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठ, विश्वसनीयता, साहस और वीरता से सींचने की आवश्यकता है। स्मरण रहे ! आत्मा ही अपने परिष्कृत रूप में परमात्मा है। इस बात को हम जितना गहराई से समझ कर कार्यरूप में, व्यवहार में ला सकें, उतनी ही हमारी आध्यात्मिक उन्नति सरल व सुगम हो जायेगी।

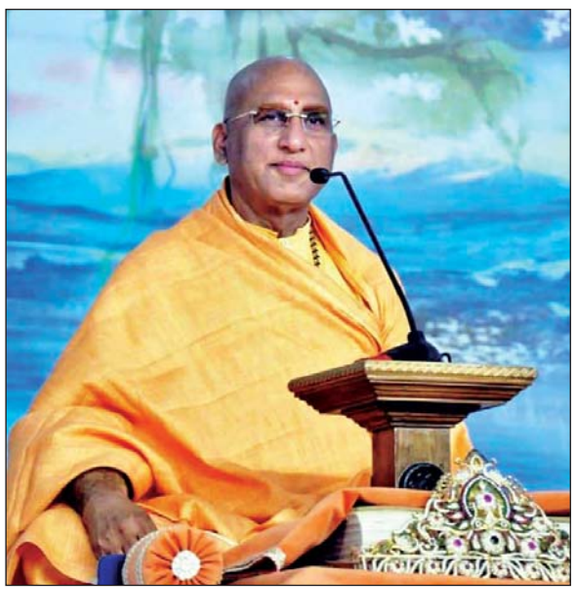

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - अध्यात्म एक दर्शन है, चिन्तन की धारा है, विद्या है, हमारी संस्कृति की परम्परागत विरासत है, ऋषियों, मनीषियों के चिन्तन का निचोड़ है, उपनिषदों का दिव्य प्रसाद है। आत्मा, परमात्मा, जीव, माया, जन्म-मृत्यु, पुनर्जन्म, सृजन-प्रलय की अबूझ पहेलियों को सुलझाने का प्रयत्न है - अध्यात्म। पूछो स्वयं से कि मैं कौन हूँ? जब मनुष्य यह जानने की चेष्टा करता हैं कि 'मैं कौन हूँ?' वहीं से अध्यात्म की उत्पति होती है। निश्चित मानिये ! आप बहुत महान हैं, क्योंकि आप महान परमपिता 'परमात्मा' की संतान 'आत्मा' हैं। स्वयं को जानना और ईश्वर को पहचानना ही अध्यात्म का परम लक्ष्य है। यह भी सही है कि नैतिकता, पवित्र जीवन-मूल्य, नकारात्मक कार्यों और विचारों से बचना, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को आघात पहुँचाने वाले कार्यों को पाप समझना, परोपकार, सत्य, न्याय, कर्तव्यनिष्ठा जैसे शाश्वत मूल्य सदैव अपने जीवन को प्रकाशित करते रहें, इनके प्रति कभी किसी का विश्वास अशक्त, जीर्ण नहीं हों पाए। यही सच्चा अध्यात्म है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - आध्यात्मिक पहलू का अर्थ है - जीवन को यथार्थ से देखना। अध्यात्म की दृष्टि से देखें तो वास्तविकता में न सुख है, न दुःख है। सुख-दःख तो मात्र एक विचार है। एक के लिए एक घटना दुःख का सन्देश लाती है, तो दूसरे लिए वही घटना भविष्य के लिए सुख की आहट देती है। यदि आपके संसाधन अनैतिक हैं, आपके विचार नैतिक नहीं हैं, आपके चिन्तन नैतिक नहीं हैं अथवा आप नैतिक दृष्टि से बड़े दुर्बल हैं तो आप आध्यात्मिक व्यक्ति नहीं हो सकते। आध्यात्मिक व्यक्ति बहुत नैतिक होता है। नैतिकता के बिना आध्यात्मिकता की कल्पना करना पूर्णतः व्यर्थ है। इसलिए पहले हमें नैतिक बनना होगा। यहाँ नैतिकता का अर्थ है - हमें अपनी इन्द्रियों पर अंकुश रखना आए ताकि हमारा देखना, सूंघना, सुनना, छूना, चखना तथा बोलना नैतिक हो। इसीलिए कहा गया है कि जो व्यक्ति मनसा, वाचा एवं कर्मणा से एक है, वही महात्मा है। साधु - महात्मा का अर्थ गैरिक वस्त्र धारण करना नहीं है। वस्तुतः जो जीवन से संन्यास ले लेता है, उसे साधु-महात्मा कहते हैं।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - अध्यात्म के बिना विज्ञान केवल विनाश कर सकता है, विकास नहीं। और, जो यदि विज्ञान विकास कर रहा हैं, तो जान लें कि उसमें कही ना कहीं अध्यात्म का अंश विद्यमान है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये भारतीय धर्म और संस्कृति के अनुसार भारतवर्ष में पुरातन काल से ही गुरुकुलों में अध्यात्म और विज्ञान दोनों की शिक्षाओं को साथ-साथ दिया जाता था। आध्यात्मिकता हमारे भीतर की दुनिया को जानने और उसमें उत्पन्न होने वाली अनेकानेक समस्याओं से निपटने की अद्वितीय कला है। मैं कौन और मेरा क्या? इस सार को समझाने वाला ज्ञान है - अध्यात्म। इससे हमें इस गहरे तथ्य की समझ प्राप्त होती है कि अपने विचारों एवं भावनाओं के लिए हम स्वयं उत्तरदायी हैं, न कि कोई दूसरा। जब हम अपने मूल स्वरूप की जागरूकता में रहते हैं कि 'मैं कौन?', तब हम अपने भीतर की अच्छाई से जुड़े रहने में सक्षम होते हैं। हमारे मानस पर फिर किसी भी वाह्य नकारात्मकता का प्रभाव नहीं पड़ सकता। हमारे अपने मूल्यों और गुणों द्वारा हम द्वंद्व भरी परिस्थितियों के बीच भी संतुलन बनाए रखने में सफल होते हैं। इसका सकारात्मक परिणाम यह होता है कि हम दूसरों के जीवन में भी संतुलन बनाने में सहयोगी बनते हैं। तो आइये ! आज से हम भी इस अध्यात्म रूपी जड़ी-बूटी का सेवन करके अपने मन को प्रभु भक्ति में परम प्रसन्न, आनन्दित बनायें, ताकि हमारा मन सदैव स्वस्थ रहे।

मप्र बजट- मोहन का माखन-मिश्री बजट

मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव की सरकार का पहला बजट वर्ष 2024-25 हेतु उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा पटल पर प्रस्तुत किया गया है।यह बजट, देश की स्वतंत्रता के अमृत काल में मध्य प्रदेश का माखन -मिश्री रूपी अमृत बजट है।जिसमें प्रदेश का विकास और भगवान रूपी जनता के कल्याण की सुगंध प्रवाहित हो रही है। मोहन के मोहक बजट में रामराज की छवि स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित हो रही है।

रामराज में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने महाकाव्य रामचरित मानस में वर्णित किया है कि-

दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज काहुहि नहीं व्यापा।

सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती॥

इसका अर्थ यह है कि प्रभु श्री राम के राज्य में देह से संबंधित रोग,दैवीय प्रकोप और भौतिक आपदा का प्रभाव नहीं था।साथ ही राज्य का वित्तीय प्रबंधन 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के मंत्र से प्रभावित था।

बरसत हरसत सब लखें, करसत लखे न कोय।

तुलसी प्रजा सुभाग से, भूप भानु सो होय।

राज्य का कर निर्धारण इस प्रकार हो कि जैसे सूर्य समुद्र से, तालाब आदि विभिन्न जल स्त्रोतों से जल अवशोषित करता है,सोख लेता है।किसी को पता भी नहीं चलता है।किंतु जब सूर्य वाष्प रूपी संचित जल को बादल रूप में पृथ्वी पर वर्षाता है तो सभी प्रसन्न हो जाते हैं, सुखी हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के अनेक निर्णयों में संस्कृति वत्सल, प्रतापी, कुशल प्रशासक,विक्रमादित्य की छवि दृष्टिगोचर होती है।आर्थिक सूझ-बूझ के दृष्टिगत महानतम अर्थशास्त्री चाणक्य के अर्थशास्त्रीय मंत्रों को आत्मसात करते हुए मोहन सरकार प्रगति पथ पर अग्रसर है।मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देव?ा के कुशल वित्तीय सुप्रबंधन का ही सुफल है कि इस बजट में कोई भी नया कर आरोपित नहीं किया है।यह निर्णय प्रजा को राहत प्रदान करता है।यह सर्व समावेशी बजट है ।इस बजट को प्रस्तुत करने के पूर्व प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार, उद्योग, स्वास्थ्य,शिक्षा,श्रम, पर्यावरण, पत्रकारिता,आम नागरिकों आदि से संवाद कर एवं विभिन्न माध्यमों से सुझावों को संकलित कर विमर्श उपरांत तैयार किया गया है।यह बजट प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर,निवेश को ब?ाने के साथ-साथ सभी के लिए लोक मंगलकारी बजट है।

विकसित भारत निर्माण की लक्ष्य पूर्ति का बजट

भाजपा की मोहन सरकार का लक्ष्य है कि आगामी 5 वर्षों में बजट के आकार को दोगुना करना, पूंजीगत निवेश को बढ़ाना, सड़क विस्तार एवं संधारण, सिंचाई क्षेत्रफ़ल जल संचय क्षमता विस्तारण, बिजली, सौर, पवन ऊर्जा उत्पादन, वितरण सुविधा का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा का विकास और उद्योग, रोजगार के अवसर वृद्धि हेतु निवेश आकर्षित करने आदि के लक्ष्यों को पूर्ण कर विकसित भारत निर्माण के परम लक्ष्य में योगदान देना है। भारत की अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश का योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़कर

के लगभग 5 प्रतिशत हो गया है।

सशक्त आर्थिक बजट

मोहन सरकार ने राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। 3.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तुत किया है।यह पिछले बजट से 16 प्रतिशत अधिक है। यह बजट भाजपा सरकार के संकल्प, प्रदेश के क्रमिक, उत्तरोत्तर विकास को दर्शाता है।राज्य की सकल घरेलू उत्पाद की दर जीएसडीपी भी 9.37 प्रतिशत से बढ़ी है। राज्य का पूंजीगत व्यय भी बढ़कर लगभग 65 हजार करोड़ हुआ है ,जो राज्य की जीएसडीपी का 4.25 प्रतिशत से अधिक है। वर्तमान बजट का लगभग 18 प्रतिशत है । अधो सरंचना विकास में सरकार पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक राशि व्यय करने जा रही है।यह भाजपा की मोहन सरकार का साहस ही है जो संकल्प पत्र के संकल्पों को पूरित करने के संकल्प के समानान्तर इंफ्रास्ट्रक्चर पर महती धनराशि निवेश कर रही है।अधिक पूंजीगत व्यय से ही मध्य प्रदेश का वास्तविक, शाश्वत विकास संभव है। अनेक आर्थिक अध्ययनों में अर्थशास्त्रियों द्वारा बताया गया है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर में एक रुपए व्यय करने पर लॉन्ग टर्म में 3 से अधिक, अर्थ तंत्र में आते हैं। आर्थिक व्यवस्था सशक्त होती है।

इस बजट में कुल प्राप्तियों का अनुमान 3.30 लाख करोड़ रुपये है।पिछले वर्ष के सापेक्ष 17 प्रतिशत अधिक है। राजस्व प्राप्ति अनुमान भी 17 प्रतिशत बढ़ा है, जो 2.63 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। राज्य के स्वयं के कर की राशि भी 18 प्रतिशत से बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। केंद्रीय करों से प्रदेश को लगभग 96 हजार करोड़ रुपए प्राप्ति का अनुमान है। करेत्तर राजस्व प्राप्ति भी लगभग 20.6 हजार करोड़ रुपए है। राजकोषीय घाटा भी राज्य जीएसडीपी का 4.11 प्रतिशत अनुमानित है। राज्य के कुल ऋण पर ब्याज भुगतान समग्र राजस्व प्राप्ति का 10.4 प्रतिशत का अनुमान है।यह भी नियंत्रण में है। आर्थिक विकास के समस्त पैरामीटर प्रदेश के आर्थिक उत्थान के प्रतिमान हैं।

कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2002 में ब्याज भुगतान राजस्व प्राप्ति का 22 प्रतिशत से अधिक हो गया था।घोर वित्तीय असंतुलन उत्पन्न हो गया था।समस्त प्रकार के विकास कार्य अवरुद्ध हो गए थे।

शिक्षा

पूर्ण बजट में शिक्षा पर भी जोर दिया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में 22 हजार 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।प्रत्येक जिले में एक पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज शिक्षा स्तर को उन्नत करेगा। इनमें 2000 से अधिक नए पदों पर भर्तियां की जाएंगी। प्रदेश में 268 सरकारी आईटीआई हैं। इस साल 22 और आईटीआई खोले जाएंगे।इनसे 5 हजार 280 सीट बढ़ेंगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के क्षेत्र में 21 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 46 हज़ार से अधिक नए पदों का भर्ती की जाएगी।मंदसौर, नीमच व सिवनी जिले में 3 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। बालाघाट सागर नर्मदा पुरम जिलों में आयुर्वेद कॉलेज भी खोले जाएंगे।

किसान

पीएम फसल बीमा योजना के लिए 2000 करोड़, पशुपालकों और गौशालाओं के लिए 590 करोड़ और गौशालाओं के लिए अलग से अब 250 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। यह वर्ष गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में होगा। बजट में प्राकृतिक खेती के लिए 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है।अटल कृषि योजना के लिए बजट में 11 हजार 65 करोड़ रुपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के लिए 10 हजार 279 करोड़ का प्रावधान है।जबकि सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण व संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 10 हॉर्सपावर ऊर्जा प्रभार में सब्सिडी के लिए 11 हजार 65 करोड़ रुपये का प्रावधान मोहन सरकार के पूर्ण बजट में किया गया है। फसल लोन हेतु लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

ऊर्जा बजट

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्य प्रदेश के पूर्ण बजट में इस बार ऊर्जा क्षेत्र के लिए 19,406 करोड़ का प्रावधान किया है।प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं का विस्तार और जनता को गुणवत्ता पूर्ण विद्युत आपूर्ति देने पर काम किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदम वर्ष 2024-25 में महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 26,560 करोड़ का प्रावधान किया गया है।गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं को राज्य उज्ज्वला योजना के लिए 520 करोड़ का प्रावधान किया गया है।महिला बाल विकास विभाग की समस्त योजनाओं हेतु बजट वृद्धि 80 प्रतिशत से अधिक है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण

मध्य प्रदेश में मोहन सरकार ने एक बार फिर से वृद्धजनों को बड़ी सौगात देते हुए तीर्थ दर्शन योजना में 50 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है।

युवा कल्याण

राज्य के पुलिस महकमे में 7500 पदों पर भर्तियां की जाएगी। इसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मध्य प्रदेश में सरकारी सेवाओं में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं की फीस को कम किए जाएंगे। इसके लिए नई नीति बनाई जाएगी।

खेल

खेलों के लिए बजट में 586 करोड़ रुपये का प्रावधान, हॉकी टर्फ का निर्माण किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी टर्फ का निर्माण किया जाएगा।

मध्य प्रदेश को विकास की पटरी पर सरपट दौड़ने के लिए डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की सरकार प्रतिबद्ध है। संस्कृति, वन पर्यावरण,आदिम जाति कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण विभाग आदि समस्त विभागों को पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। डॉ. मोहन यादव अभिनंदन और बधाई के पात्र हैं। उन्होंने प्रदेश की जनता के लिए माखन-मिश्री वाला बजट प्रस्तुत किया है।

इतिश्री ।

लेखक-सत्येंद्र जैन

हाथरस में भगदड़ ''हिंदुत्व को प्रणाम्''!

हाथरस में हुई भगदड़ के कारण बड़ी संख्या में लोगों के मरे जाने के बाद मुझे अपने हिंदू होने पर गौरवानुभूति की जगह ग्लानि हो रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश की डबल इंजिन की सरकार को इस घटना के बाद कोई मलाल नहीं है। किसी ने इस हादसे की जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं ली है। कोई इस्तीफा नहीं दे रहा। देश की संसद भी त्रिदेव संवाद के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गयी है। हाथरस में कोई 110 हिन्दू मरे गए हैं। इस हादसे के बाद भी मुझे छोड़ पूरी सरकार को हिन्दू होने पर गर्व है।

हिन्दू धर्मस्थलों पर भगदड़ कोई नयी चीज नहीं है। दुनिया में हिन्दू धर्म का मुकाबला करने वाला कोई दूसरा धर्म है ही नहीं मक्का में पिछले दिनों गर्मी से एक हजार लोग मर गए। इस तरह के हादसों में धर्म का क्या दोष? डिश है उन लोगों का, जो धार्मिक है। अनुशासन नहीं जानता। अनुशासन नहीं मानता। उन्हें तो मोक्ष चाहिए। चाहे गर्मी से मारकर मिले,चाहे सर्दी से। चाहे भगदड़ से मिले या किसी और रास्ते से, इस तरह के हादसे में मारे जाने वाले शहीद नहीं होते। उनके लिए कोई मुआवजा नहीं होना चाहिए, लेकिन दो-चार लाख रूपये तो केंद्र और राज्य की सरकारें दे ही देतीं हैं, क्योंकि अंततः वे भी धार्मिक सरकारें हैं।

अगर आप टीवी देखते हैं और अखबार पढ़ते हैं तो आपको ज्ञात होगा कि यूपी के हाथरस के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के फुलरई गांव में भगवान भोले बाबा के सत्संग में मंगलवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 110 से ज्यादा लोगों के मरने की पुष्टि की गई है। भगदड़ के बाद हाथरस और एटा के अस्पतालों में लाशें बिखरी हुई देखी जा रही हैं। अस्पतालों के बाहर चीख पुकार मची है। सूत्रों के मुताबिक सत्संग में करीब 40 हज़ार लोग थे। हाथरस में जिन भोले बाबा का सत्संग था वे हिमालय के भोले बाबा नहीं थे, उन्हें तो फुरसत ही कहाँ है जमीन पर आने की। हाथरस के भोले बाबा हमारे नेताओं की तरह नान-बायलोजिकल या अवनाशी हैं। साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा का असली नाम सूरज पाल सिंह है। बाबा कासगंज के पटयाली के रहने वाले हैं। करीब 17 साल पहले पुलिस कांस्टेबल की नौकरी छोड़कर सत्संग करने लगे। नौकरी छोड़ने के बाद सूरज पाल नाम बदलकर साकार हरि बन गए। अनुयायी उन्हें भोले बाबा कहते हैं। कहा जाता है कि गरीब और वंचित तबके के लोगों के बीच में इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। कुछ समय में लाखों की संख्या में अनुयायियों

बन गए। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश और राजस्थान में इनके अनुयायी फैले हैं।

हाथरस के भोले बाबा सबसे अलग हैं। साकार हरि बाबा अपने सत्संग में मानव सेवा का संदेश देते हैं। ज्यादातर सत्संग में लोगों से बाबा कहते हैं कि मानव की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। सत्संग में आने से रोग मिट जाते हैं, मन शुद्ध होता है, यहां पर कोई भेदभाव नहीं, कोई दान नहीं और कोई पाखंड नहीं। दावा करते हैं यहीं सर्व समभाव है यहीं ब्रह्मलोक है, यहीं स्वर्ग लोक है। अब इन भोले बाबा से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बाबा आदित्यनाथ तो जूझ नहीं सकते। उनसे इस्तीफा भी नहीं मांग सकते। खुद इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इस्तीफा देने के लिए नैतिकता चाहिए, जमीर चाहिए जो शायद ही किसी नेता के पास होता हो। हाथरस के भोले बाबा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा भी दर्ज नहीं हो सकता,गिरफ्तारी तो बहुत दूर की बात है । बीएनएस यानि भारतीय न्याय संहिता तो रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बनी है। अविनाशी और सत्यानाशी, अवतारी इस संहिता के दायरे में नहीं आते।

इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री जो कर सकता है सो कर ही रहा है। आगरा के अपर पुलिस महानिदेशक और अलीगढ़ के आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अगले 24 घंटों में जांच रिपोर्ट मांगी है। युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य हो रहा है।आगरा के अपर पुलिस महानिदेशक और अलीगढ़ के आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अगले 24 घंटों में जांच रिपोर्ट मांगी है। युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य हो रहा है। इस हादसे के पहले हमारी संसद में राहुल गाँधी और प्रधानमंत्री जी के बीच हिंदुत्व के हिंसक और अहिंसक होने पर बहस हो रही थी। राहुल कह रहे थे की हिन्दू हिंसक हो ही नहीं सकता, लेकिन भाजपा हो सकती है। और प्रधानमंत्री जी कह रहे थे कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर बात है।

दरअसल भारत कृषि प्रधान नहीं बल्कि भगदड़ प्रधान देश है। यहां यदि भगदड़ न हो तो मजा ही नहीं आता। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत शायद आपको याद ही न हो। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी। आपको हाल के वर्षों में देश में मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की कुछ प्रमुख घटनाएं के बारे में बताते हैं।

हमारे अपने मध्यप्रदेश में 31 मार्च 2023: इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। एक जनवरी 2022: जम्मू-कश्मीर स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। 14 जुलाई 2015 में आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गएथे। तीन अक्टूबर 2014 में दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोगों की मौत हो गई थी। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे भगदड़ की शुरुआत नदी के पुल टूटने की अफवाह से हुई जिसे श्रद्धालु पार कर रहे थे।

मैं यदि आपको देश और विदेश में हुई भद्द की घटनाओं को गिनाने बैठूं तो रात हो जाएगी, इसलिए संक्षेप में ये कहा जा सकता है कि हम यानि हमारा समाज, हमारी सरकार हादसों को याद रखने और उनसे सीख लेने की जरूरत नहीं समझती। हादसे भगवान की देन है। उनके बारे में कोई कुछ कह नहीं सकता। संसद में सवाल नहीं उठाये जा सकती। उनके लिए जांच की मांग बेमानी है। इस्तीफा मांगना अनैतिकता है इसलिए आइये हाथरस हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी श्रृद्धांजलि अर्पित करें और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जतायें। सरकार के प्रति आभार जतायें की उसने जो हो सकता था सो किया। हमें किसी का इस्तीफा-सिस्टीफा नहीं चाहिए। हम हादसा प्रूफ होना ही नहीं चाहते,क्योंकि धर्म स्थलों और सत्संगों में प्राण जाना सीधा मुक्ति दिलवाता है । सरकार ये सब नहीं कर सकती। अतः इतिश्री। जय-जय शिव शंकर। कांटा लगे न कंकर।

-राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

शादी का सीक्वेंस एक बड़े पारिवारिक समारोह जैसा लगा: अमनदीप और आकाश, 'बादल पे पांव हैं'

सोनी सब का शो 'बादल पे पांव हैं' एक युवा उत्साही लड़की, बानी (अमनदीप सिद्धू) की कहानी बताता है, जो अपने वित्तीय संघर्षों से उबरना चाहती है और अपने परिवार, खासकर अपनी बीमार बहन मन्नत (नूर मथारू) की देखभाल करना चाहती है। आगामी सीक्वेंस में, बानी की शादी रजत (आकाश आहूजा) से होने वाली है, जिसे वह एक अमीर परिवार का सदस्य मानती है और उसे लगता है कि वह उसकी सभी वित्तीय चिंताओं का समाधान करेगा।

शादी की तैयारियों के बीच, टेलीविज़न के इस नवीनतम जोड़े ने अपने प्री-वेडिंग फंक्शंस की शूटिंग के दौरान अनुभव की गई मौज-मस्ती और चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। कलाकारों ने बताया कि कैसे उत्साह भरी यह शूटिंग हँसी-मज़ाक और सौहार्द्र से भरी थी। हालाँकि, इसमें कुछ बाधाएँ भी थीं। दोनों ने विशेष रूप से डांस रिहर्सल पर प्रकाश डाला, जो मुश्किल लेकिन मज़ेदार टास्क साबित हुआ। चुनौतियों के बावजूद, बानी और रजत ने इस शेड्यूल को खुलकर जिया।बानी अरोड़ा की भूमिका निभाने वाले अमनदीप सिद्धू ने कहा, 'प्री-वेडिंग फंक्शंस के लिए शूटिंग करना धमाकेदार था! डांस रिहर्सल चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन इससे सेट पर बहुत खुशी और हँसी का माहौल बन गया। यह अनुभव अद्भुत था, और इस विशेष

समय के दौरान हमने जो लाजवाब यादें बनाई, उनके लिए मैं आभारी हूँ। पूरे सीक्वेंस में जो बात मुझे सबसे अधिक पसंद आई, वह हर समारोह में लाई गई प्रामाणिकता थी। इस सीक्वेंस को असल पंजाबी रीति-रिवाज़ों के साथ शूट किया गया था। शूटिंग की बात करें, तो चंडीगढ़ की इतनी गर्मी में भारी ज्वेलरी और कपड़े पहनना मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सेट पर माहौल इतना उत्साहपूर्ण था कि ऐसा लगा जैसे हम किसी असली शादी में थे।'

रजत खन्ना की भूमिका निभाने वाले आकाश आहूजा ने कहा, 'डांस की रिहर्सल लाजवाब रूप से दिलचस्प थी। निजी तौर पर, मुझे डांस करने में बहुत मज़ा आता है, यह स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करता है। जिन गानों पर हम परफॉर्म कर रहे हैं, उनमें से एक मुझे व्यक्तिगत रूप से पसंद है, जो इस अनुभव को और भी खास बनाता है। पूरा खन्ना परिवार सभी के साथ सहजता से घुल-मिल गया है, जिससे सेट किसी उत्साहपूर्ण पारिवारिक समारोह में बदल गया है, और यह पहली बार था कि पूरी कास्ट किसी सीक्वेंस के लिए साथ आई थी। हमने 5-6 दिनों में शादी का पूरा सीक्वेंस शूट किया और यह किसी असली पारिवारिक समारोह जैसा महसूस हुआ, जहाँ हर कोई साथ था। हालाँकि, यह कुछ समय बाद थका देने वाला हो गया, क्योंकि बहुत गर्मी थी और हमने पगड़ी के साथ भारी कपड़े पहने हुए थे। लेकिन, चुनौतियों के बावजूद मैंने इसके हर पल का भरपूर आनंद लिया।''बादल पे पांव हैं' देखें, हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे, केवल सोनी सब पर

कॉमेडियन कुशल बद्रीके कहते हैं, 'मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने और हर जगह दर्शकों को हंसाने का मौका देने के लिए, मैं शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' का बहुत आभारी हूं'

इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' अपने 'फिनाले' एपिसोड को सेलिब्रेट करेगा, जिसमें कॉमेडियन आखिरी बार अपना बेस्ट परफ़ॉर्मेंस देंगे। अगर आप अपने दिल को कॉमेडी और मनोरंजन से सराबोर करना चाहते हैं, तो नॉन-स्टॉप मौज-मस्ती और हाई-एनर्जी परफ़ॉर्मेंस का वादा करने वाला यह एपिसोड 'ज़रूर देखें'!

अपनी हिट 'नवरा बाइको' सीरीज़ पेश करते हुए, कुशल बद्रीके नवरा बनेंगे, जबकि हेमांगी कवि बाइको का किरदार निभाएंगी, अनुराधा बाइको की मां की भूमिका निभाएंगी, और केतन सिंह बाइको के पिता के रूप में नज़र आएंगे। नवरा और बाइको अंततः साथ मिलकर कोई फिल्म देखने जाने का फैसला करते हैं, लेकिन जब एक डरावना आदमी बाइको को परेशान करना शुरू कर देता है, तो उनकी इस पिकनिक में खलल पड़ जाता है। नवरा तुरंत उससे झगड़ पड़ता है लेकिन इस हाथापाई में घायल हो जाता है। अस्पताल से घर लौटने पर चीजें बद से बदतर हो जाती हैं, क्योंकि नवरा के ससुराल वाले इस जोड़े से मिलने आते हैं और उस पर फब्तियां

कसना शुरू कर देते हैं। लेकिन इस पारिवारिक उथलपुथल के हास्यास्पद प्रदर्शन में, बाइको आगे बढ़ती है और साहसपूर्वक अपने माता-पिता के तानों से अपने नवरा का बचाव करती है।

अपने परफ़ॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए, कुशल बद्रीके कहते हैं, 'मैं नवराबाइको गैग्स से हमें मिले प्यार और हंसी से अभिभूत हूं। यह सफर वाकई लाजवाब रहा है, और मैं यह बता नहीं सकता कि अपना अंतिम गैग नवरा बाइको फाइट पेश करके मैं कितना खुश हूं। अनुराधा जी, हेमांगी और केतन के साथ काम करने का अनुभव लाजवाब रहा है। उनकी प्रतिभा और तालमेल ने हर पल को यादगार बना दिया है, और मुझे वाकई इस समय की याद आएगी। 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। यह कोई आम शो नहीं है; क्योंकि इस मंच ने मुझे इतने सारे बेहतरीन कलाकारों से मिलने और उनके साथ मिलकर काम करने का सौभाग्यशाली अवसर दिया है। मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने और हर जगह दर्शकों को हंसाने का मौका देने के लिए, मैं इस शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' का बहुत आभारी हूं।'

'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' का फिनाले एपिसोड देखना न भूलें, इस शनिवार रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

पृष्ट एक का शेष

मैं कतरा हूँ मुझे बचाना समंदर की...

उन्होंने अनुरोध किया कि विचार आपका माहौल आपका उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आपका पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है इसका संरक्षण पालन पोषण करना भी बेहद जरूरी है। हमें आत्मचिंतन करना चाहिए कि जब जब हम पौधे लगाने का कार्य करते हैं अर्थात् ऐसे अभियानों की सफलता के प्रतिशत पर आत्म चिंतन जरूर करना चाहिए । उन्होंने न्यायालय सिविल अस्पताल, जोरा को स्वच्छ व हरा-भरा रखने हेतु आव्हान किया जस्टिस श्री माहेश्वरी ने कहा यह हम सब की मातृभूमि है इसकी रक्षा करना हम सब का कर्म व धर्म है। न्यायाधिपति श्री माहेश्वरी ने न्यायालय में वृक्षारोपण अभियान का आरंभ करने के उपरांत 108 पौधों को गोद लेने की घोषणा की। जस्टिस श्री माहेश्वरी ने न्यायालय के उपरांत सिविल अस्पताल ऊं श्री मंशापूर्ण मनकामेश्वर महादेव मंदिर एवं महात्मा गांधी सेवा आश्रम में भी वृक्षारोपण किया। न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने डॉ रवि माहेश्वरी के साथ जौरा में आयोजित हुए मेगा हैल्थ कैंप तथा अरविंदों हॉस्पिटल इंदौर में हार्ट के आपरेशन जिन बच्चों के किए गए उनसे मिलकर उनका हालचाल ऊं श्री मंशापूर्ण मनकामेश्वर महादेव मंदिर में जाना जहां सभी न्यासी उपस्थित रहे। न्यायालय में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजाराम भारती, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अखिलेश जोशी स्पेशल जज, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर जयसवाल, निधि सक्सेना सी.जे.एम. सिविल जज कनिष्ठ खंड मुरैना भारतदीप चौरसिया, जौरा से एडीजे अनिल पाठक, एडीजे अनुज त्यागी, एडीजे रविन्द्र कुमार शर्मा, जेएमएफसी शिवकुमार डाबर, जेएमएफसी सुषमा त्रिपाठी, जेएमएफसी महेश त्रिपाठी, जेएमएफसी सुश्री पूनम मंगोलिया, जेएमएफसी दिव्या शर्मा, नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी, एडवोकेट अरविंद पाराशर, अवधेश सिंह सिकरवार, पदमचंद जैन, एसडीएम प्रदीप सिंह तोमर, तहसीलदार कल्पना कुशवाहा आदि समाजसेवी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अस्पताल मंडी एवं आश्रम में भी हुआ वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत नवीन अस्पताल प्रांगण के बाहर भी वृक्षारोपण कार्यक्रम करते हुए एक सैकड़ा से अधिक पौध लगाई गई। एक कदम मानवता टीम के अरविंद पाराशर, गिर्राज सिंघल, दिनेश गर्ग व मिश्रा अमित सिंगला, नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी, सीएमओ वीरेंद्र सिंह रावत, उपयंत्री ऋषिकेश शर्मा एडवोकेट, दिनेश सिंह सिकरवार, शीतल जैन, विजय बंसल, शांतिलाल अग्रवाल एवं डॉ. मनोज त्यागी, ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला एवं नगर पालिका पार्षदों की मौजूदगी में पीपल, जामुन, अशोक, बेलपत्र अन्य कई तरह की पेड़ लगाए गए। न्यायाधीश श्री माहेश्वरी ने महात्मा गांधी सेवा आश्रम पहुंचकर स्व. सुब्बाराव जी भाई जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए आश्रम प्रांगण में भी वृक्षारोपण किया गया।

पीएचई अधिकारियों ने फर्जी सप्लायरों के साथ मिलकर किया करोड़ों का घोटाला

- कलेक्टर ने 74 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। पीएचई के अधिकारियों ने अपने नजदीकी सप्लायरों के साथ मिलकर करोडों रुपए के घोटाले को अंजाम दिया था। इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच कर रही थी और जांच में 74 नए आरोपियों के नाम सामने आने के बाद कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

पीएचई में हुये करोड़ों रूपये के घोटाले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच को जांच में पता लगा है कि पीएचई के अधिकारियों ने अपने नजदीकियों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से बिलों का करोड़ों रुपए का भुगतान अपने खातों में करवाया है। इस रकम को अधिकारियों को दिया गया है। शहर की दो फर्मों शरण एंड ब्रदर्श और बंसल एसोसिएट फर्म ने इसी तरीके से पीएचई में स्टेशनरी, फर्नीचर, पाइप आदि सामान की सप्लाई के नाम पर फर्जी बिलों के माध्यम से करोड़ों रुपए का भुगतान उनके खातों में किया गया है।

अकेले शरण एंड ब्रदर्श फर्म के खाते में ही 6 करोड़ से अधिक के बिलों का फर्जी तरीके से भुगतान किया गया है। यह घोटाला पिछले साल अगस्त में सामने आया था तब यह 40 करोड़ का लग रहा था मगर जांच के बाद यह 84 करोड़ से अधिक तक पहुंच गया। इस आरोप में पीएचई के कार्यपालन यंत्री संजय सोलंकी, आरएन कर्रया जिस बाबू हीरालाल ने इस घोटाले को अंजाम दिया उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कार्यपालन यंत्री जागेश श्रीवास्तव व अधीक्षण यंत्री विनोद छारी फरार चल रहे हैं। लिपिक हीरालाल ने इस रकम से गिरवाई क्षेत्र में 4 करोड़ रुपए की कीमत का होटल बनवाया है। वहीं पीएचई विभाग के ग्वालियर क्षेत्र के लंबे समय से जेल में बंद हैं। वहीं चीफइंजीनियर रामलखन सिंह मौर्य ने गंभीरता से जांच के लिए राज्य शासन को पत्र भी लिखा है।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने बताया कि समिति ने कई दिनों तक विभिन्न बिंदुओं पर शिकायतों की जांच की। प्रथम दृष्ट्या जांच समिति ने ऐसे लोगों की सूची दी है जो घोटाले में स्पष्ट रूप से शामिल हैं। इसमें ऐसे करीब 74 लोग हैं। हम इन लोगों के नाम पहले से दर्ज एफआईआर में जोडने के लिए क्राइम ब्रांच को भेजेंगे। इनमें से छह तो पीएचई विभाग के कर्मचारी हैं। पूरे मामले में जिन संस्थाओं या संगठनों को भुगतान किया गया और यदि कोई गलती थी, तो उन्हें भी तुरंत इसकी जानकारी देनी चाहिए थी। इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में इन संस्थाओं की भी इस मामले में संलिप्तता पाई जा रही है। यह घोटाला ग्वालियर के पीएचई विभाग में फर्जी भुगतान का है। यह मामला 27 जुलाई 2023 को सामने आया था।

हाथरस हादसे में ग्वालियर की एक महिला की भी मौत, शव ग्वालियर आया

ग्वालियर। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में हुई 122 लोगों की मौत में ग्वालियर की एक महिला भी शामिल है। यह महिला मंडली के साथ सत्संग में शामिल होने गई थी। बुधवार को उत्तरप्रदेश पुलिस उनका शव लेकर ग्वालियर पहुंची। यहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। वहीं श्रीमती रामश्री के निधन के बाद बुधवार को भाजपा नेता एवं जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर सिंह भदौरिया भाजपा नेताओं के साथ उनके निवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिवारीजनों को सांत्वना देकर ढांढ़स बंधाया।

थाटीपुर जगजीवन नगर की रहने वाली रामश्री (45) पत्नी स्व. दयाल सिंह हर साल महिला मंडली के साथ भोले बाबा के सत्संग में शामिल होने जाती थीं। इसी क्रम में सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात दो गाड़ियों से ग्वालियर से करीब 12 महिलाएं सत्संग में हाथरस गई थीं। मंगलवार को हादसे के समय सभी महिलाएं एक साथ थी। अचानक वहां भोले बाबा के चरणों की धूल लेने के लिए लोग धक्का-मुक्की करने लगे। वहां बाबा के लोगों ने पीछे की तरफ धकेल कर वाटर केनन से पानी की बौछार कर दी, जिसके बाद भगदड़ मच गई। इसी समय रामश्री महिला मंडली से बिछड़ गई। भगदड़ के बीच रामश्री लोगों के पैरों के नीचे कुचलती चली गई। भगदड़ की सूचना मिलते ही महिलाओं के परिजन एक-दूसरे को कॉल करने लगे। रामश्री के बेटे पंकज ने भी संपर्क किया। पता लगा कि उनकी मां लापता है। कुछ देर बाद पता लगा कि रामश्री की भगदड़ में कुचलने और दम घुटने से मौत हो गई है। यहां बता दें कि साल 2014 में पति के निधन के बाद रामश्री घर को संभाले थीं। परिवार में तीन बेटे व दो बेटियां हैं। किसी की भी शादी नहीं हुई है। रामश्री के साथ गई महिलाओं ने बताया, जब तक सत्संग चल रहा था, तब तक हम साथ थे। जैसे ही, बाबा के चरणों की धूल लेने भीड़ आगे बढ़ी, रामश्री बहन से हमारा साथ छूट गया। उसके बाद पता ही नहीं चला कि कौन कहां है। वहीं बुधवार दोपहर करीब 2 बजे रामश्री का शव हाथरस पुलिस ग्वालियर लेकर पहुंची। इस दौरान जगजीवन नगर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद हो गये। जैसे ही शव को ग्वालियर लाया गया, वहां लोगों की भीड़ लग गई। मुरार मुक्तिधाम में रामश्री का अंतिम संस्कार किया गया।

नाली में मिली युवक की लाश

ग्वालियर। एक युवक की नाली में लाश पड़ी मिली है। मामला जनकगंज थाने के पीछे स्थित कलारी के पास बुधवार की सुबह की है।

मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेर जांच शुरू की तो मृतक के पास से कोई दस्तावेज, मोबाइल व अन्य सामान नहीं मिला है, जिससे उसकी शिनाख्त हो सकें। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान हैं। फिलहाल पता नहीं चला है कि उसके साथ कोई घटना घटी या फिर सामान्य मौत हुई है।जनकगंज थाना पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवक की लाश जनकगंज कलारी के पास नाली में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की तो मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोटे या अन्य संदेहपस्थ वस्तु नहीं मिली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक का शव पीएम हाउस पहुंचा दिय है। पुलिस ने बताया कि मृतक करीब 25 से 30 साल का है और उसने नीला जींस व लाल टीशर्ट पहनी हुई है। उसके पास से मोबाइल, दस्तावेज या रूपये भी नहीं मिले है, जिससे उसकी पहचान हो सके। फिलहाल पुलिस ने मृतक का शव पीएम हाउस में रखवाकर उसकी शिनाख्ती के प्रयाय शुरू कर दिये हैं। पुलिस ने आसपास के थानों को भी सूचना दी है जिससे मृतक की पहचान हो सके और जांच को दिशा मिल सके। पीएम रिपोर्ट से ही पता चलेगा कि उसकी मौत कैसे हुई है।

नौकरी का झांसा देकर ठगों ने युवती को लगाई नौ लाख की चपत, तलाश जारी

ग्वालियर। पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ठगों ने एक युवती को नौ लाख रुपए की चपत लगा दी। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के जगनापुरा की है। ठगी का पता उस समय चला जब पीडिता ने अपने रुपए वापस मांगे तो ठगों ने उससे और रुपयों की मांग कर दी। सारी जमा पूंजी लगाने के बाद अब युवती पर एक रुपया नहीं बचा, जिसे वह जमा कर सके। अपनी सारी स्थिति बताने के बाद भी उसके रुपए वापस नहीं आए तो युवती ने पुलिस अफसरों से शिकायत की। युवती की बात सुनकर पुलिस अधिकारियों ने उसे साइबर सेल भेजा, जिस पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी है।

ग्वालियर थाना क्षेत्र के जगनापुरा निवासी 33 वर्षीय निशा कुशवाह पुत्री दीनदयाल कुशवाह ने पुलिस से शिकायत की है कि वह प्राइवेट नौकरी करती है। 27 मार्च को उसके टेलीग्राम पर कौन टीवी के नाम से एक मैसेज आया, जिसमें उसे वर्क फ्रॉम होम में काम करने का मौका मिल रहा था और इसके बदले में उसे अच्छी इनकम का वादा किया गया था। बातों में आकर उसने काम शुरू किया तो शुरूआत में उसे अच्छा लाभ दिखाया और उसके खाते में ठगों ने 28 हजार 600 रुपए भेज दिए। कुछ ही दिन में उसके खाते में 28 हजार रुपए से ज्यादा आने पर निशा ने इसमें मन लगाकर इंवेस्ट करने लगी। कुछ ही दिन बाद कंपनी के कर्मचारियों ने बताया कि अब उसे सेल्फवर्क करना होगा और उसका पैसा भी स्वयं इंवेस्ट करना होगा। इसके बाद वह स्वयं पैसा लगाकर काम करने लगी और इसके बाद उसे काम में अच्छा प्रॉफिट होने लगा और जब एक अच्छा कलेक्शन हो गया तो उसने रूपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन रूपय नहीं निकले तो उसने कंपनी में कॉल किया। वहां से उसे पता चला कि उसने जो इन्वेस्ट किया था, उससे उसका खाता माइनस में है और रूपये निकालने के लिए उसे अपने एकाउंट में रुपए जमा कराने होंगे। रूपयों के लालच में वह इंवेस्ट करती गई, लेकिन उसके बाद भी उसका खाता माइनस बताता रहा।

पीडिता ने बताया कि ठगों के कहने पर उसने अपने खाते में 8 लाख 96 हजार 525 रुपए जमा करा दिए हैं, लेकिन इसके बाद भी उसका खाता 9 लाख 4 हजार 357 रुपए माइनस बता रहा है, ठगों का कहना है कि अगर उसे अपने रुपए निकालने हैं तो उसे यह रुपए जमा कराने होंगे। वर्षों मेहनत करने के बाद जोड़े सारे रुपए जमा कराने के बाद अब उसके पास एक भी पैसा नहीं था, तो उसने रूपये जमा कराने से इनकार किया तो ठगों ने उसका रूपया लौटाने से इनकार कर दिया।

ठगी की शिकार पीडिता ने पुलिस कप्तान से शिकायत की। जिस पर कप्तान ने साइबर सेल को मामले की जांच व कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। पीडिता ने साइबर सेल को बताया कि उसका काम 25 रिव्यू को लाइक करने पर क्रेडिट मिलता था और हर रिव्यू का अलग रेट होता था और इसके लिए उसे अपने एकाउंट में अलग-अलग राशि जमा करानी होती थी। शुरूआत में कंपनी ने क्रेडिट का 28 हजार 600 रुपए दिया भी था, जिससे उसे कंपनी पर विश्वास हो गया था।

कर संग्रहक और सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को मिला नोटिस

ग्वालियर। अपर आयुक्त विजय राज बुधवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 8 का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कई आवेदन लंबित पाये जाने पर राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, क्षेत्राधिकारी अजय शर्मा उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त विजय राज ने बुधवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 8 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया कि राजस्व कर संग्रहक लक्ष्मीनारायण उचिया द्वारा इन्द्रा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 03 आवेदन, म.प्र. का संनिर्माण मण्डल द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के पंजीयन के 02 आवेदन एवं मुख्यमंत्री अनुग्रह सहायता योजना का 01 आवेदन लंबित पाया गया। यह आवेदन जनमित्र केन्द्र पर विगत कई माह से लंबित पाये गये। जिस पर उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। समय पर न निराकरण करने पर उन्हें नोटिस जारी किया गया। इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान जनमित्र प्रभारी जनमित्र केन्द्र क्रमांक-08 शशिकांत शुक्ला के द्वारा सम्पत्तिकर नामांकन के 36 आवेदन, इन्द्रा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 03 आवेदन, म.प्र. का संनिर्माण मण्डल द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के पंजीयन के 02 आवेदन एवं मुख्यमंत्री अनुग्रह सहायता योजना का 01 आवेदन लंबित पाया गया। यह आवेदन जनमित्र केन्द्र पर विगत कई माह से लंबित पाये गये। जिस पर उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

15 बिंदुओं की जांच के कारण कठोर परीक्षा काल से गुजर रहा वनमण्डल

- मुख्यालय के एपीसीसीएफ, सीसीएफ, सीएफ, तीन डीएफओ, चार एसडीओ और 17 रेंजर बीते माह से कर रहे हैं जांच

ग्वालियर। ग्वालियर वन मण्डल में पदस्थ सभी वन परिक्षेत्र अधिकारी वन चौकी प्रभारी सहित वन रक्षक से लेकर वन मण्डल अधिकारी कठोर परीक्षा से गुजर रहे हैं और यह इतिहास काल को लगभग आधा महीना भी बीत गया है। लेकिन जांच पड़ताल व पूछताछ वाली परीक्षा पूरी होने का नाम नहीं ले रही है।

हैरानी वाली बात तो यह है कि पूरे प्रदेश में एकमात्र ग्वालियर वन मण्डल है जो हमेशा सुर्खियों में रहता है। चाहे फिर विधानसभा हो या फिर आम जनता द्वारा उठाये गये सवालों की जांच हों। बीते माह से ग्वालियर की शिकायत इसीलिये और चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि सवाल 15 और अधिकारी 30 लगातार जांच में जुटे हुये हैं। जांच कब तक पूरी हो पाएगी इसका जवाब किसी के पास नहीं है। अब यह देखना है कि 15 बिंदुओं की जांच का ठीकरा किस किसके सिर जुटता है। कौन ग्रीन सोल्जर सिपाही व अधिकारी इस परीक्षा में खरा उतरता है और कौन इस परीक्षा की आंच से भ्रष्ट बनता है।

यहां बता दें कि एक सेवानिवृत्त वन अधिकारी की शह पर आम व्यक्ति के नाम से की गई 15 बिंदुओं की शिकायत अब अपना रंग दिखा रही है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक पुरषोत्तम धीमान ने विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के दिन शिकायत की थी। जांच के लिये समिति अध्यक्ष एपीसीसीएफ शशि मलिक और मुरैना डीएफओ स्वरूप दीक्षित, सामाजिक एसडीओ एसपी शाक्य को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जांच पूर्ण करने का 7 दिवस निर्धारित किया गया। इसके साथ ही भिण्ड डीएफओ, ग्वालियर डीएफओ और सामाजिक वानिकी में पदस्थ वन संरक्षक सहित उप वन संरक्षक, वन क्षेत्रपाल, उपवन क्षेत्रपाल अलग-अलग रेंज व चौकियों के अंतर्गत संबंधित बिन्दुओं के आधार पर जांच की जा रही है।

कर्मचारियों ने एनएचएम एचडी को ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। एनएचएम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की एनएचएम प्रियंका दास को एक ज्ञापन सौंपा।। संगठन प्राधिकारी कोमल सिंह ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से हटकर आउटसोर्स ठेका प्रथा में शामिल किए गए सपोर्ट स्टाफकर्मचारियों को पुनः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में मर्ज किया जाए अथवा विभाग में रिक्त पदों पर समायोजन किया जाए। वही आउटसोर्स डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य सभी आउटसोर्स कर्मचारियों को परीक्षण करने के उपरांत एनएचएम में मर्ज किया जाए।

प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने एनएचएम कार्यालय भोपाल के सामने एकत्रित होकर आउटसोर्स कर्मचारी के साथ हो रहे शोषण के खिलाफ एवं मानदेय में की जा रही गड़बड़ी को लेकर जमकर नारेबाजी कर एमडी

नए कानून में दर्ज पहली एफआईआर, चोर पकड़ा

ग्वालियर। नए कानून में दर्ज हुई पहली एफआईआर में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 48 घंटे से पहले ही चोर को पकड़कर उससे चोरी की गई बाइक बरामद कर ली है। यह मामला ग्वालियर और प्रदेश ही नहीं देश का नए कानून में दर्ज हुआ पहला मामला था और इसे लेकर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता लागू होते ही पहला मामला हजीरा थाने में बाइक चोरी का दर्ज हुआ था। जिसमें भिंड के रहने वाले सौरभ पुत्र नागेन्द्र सिंह नरवरिया हाल निवासी यादव धर्मकांटा स्थित पीताम्बरा कॉलोनी की घर के बाहर खड़ी बाइक क्रमांक एमपी07जेडएम 8723 को चोर ले गए। मामले का पता चलते ही सौरभ थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई जो नए कानून में जिले के साथ ही प्रदेश व देश की पहली एफआईआर थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआई यशपाल सिंह भदौरिया की टीम को आरोपी की तलाश में लगाया गया और पुलिस की टीम ने वाहन चोर को धर दबोचा। टीआई हजीरा शिवमंगल सिंह सेंगर ने बताया कि चोरी के बाद पुलिस ने सर्चिंग शुरू की तो एक स्थान पर चोरी की बाइक ले जाते चोर का फुटेज मिला, जिसके आधार पर पुलिस नारायण विहार पहुंची और चोर को चोरी की बाइक सहित दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए चोर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि पकड़ा गया चोर सचिन पुत्र नरेश नरवरिया निवासी बक्शीपुरा भिंड हाल नारायण विहार है। कुछ दिन पहले उसे सौरभ की बाइक पसंद आ गई थी और नकली चाबी बनवाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस चोर से पूछताछ कर रही है।

दिव्यांगों के परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होंगे

ग्वालियर। जिले में दिव्यांगजनों का विवाह कराने के लिए परिचय सम्मेलन आयोजित किए जायेंगे। साथ ही दिव्यांगजनों का डाटाबेस तैयार कर एक पुस्तिका प्रकाशित की जायेगी। यह पुस्तिका दिव्यांगजनों तक पहुँचाई जायेगी। इस पुस्तक में दिव्यांगजनों की आयु, शिक्षा, व्यवसाय, निवास व कॉन्टेक्ट नम्बर सहित सम्पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध रहेगा, जिससे इस पुस्तक में उपलब्ध जानकारी के आधार पर दिव्यांगजन अपना जीवन साथी चुन सकें। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में 20 जुलाई तक दिव्यांगजनों का बेसिक डाटा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि कि सभी जनपद पंचायतों व नगरीय निकायों में परिचय सम्मेलन के लिये दिव्यांगजनों के फॉर्म

भराकर जानकारी संकलित करें। साथ ही दिव्यांगजन स्वयं अपनी जानकारी भर सकें, इसके लिये गूगल फॉर्म तैयार कराएँ। उन्होंने कहा दिव्यांगजनों का डाटा संकलित होने के बाद टेम्प्लेट के रूप में पुस्तक प्रकाशित करें और इसे दिव्यांगजनों तक पहुँचाएं, जिससे वे उसमें से अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने के लिये जानकारी जुटा सकें। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि दिव्यांगों का डाटाबेस एकत्रित होने के बाद दिव्यांगों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसमें दिव्यांगजन अपने पसंद का जीवन साथी चुन सकेंगे। परिचय सम्मेलन में चिन्हित दिव्यांगजनों का विवाह कराने के लिये मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जिला स्तर पर नगर निगम के सहयोग से सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित कराया जायेगा। उन्होंने दिव्यांगजनों के परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन व सहयोग लेने के निर्देश भी दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि युवक-युवती में एक व्यक्ति के निरूशक्त (दिव्यांग) होने पर सरकार द्वारा निरूशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 2 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि उस दम्पत्ति को दी जाती है। युवक-युवती दोनों के निरूशक्त होने की स्थिति में इस योजना के तहत एक लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है।

स्व-सहायता समूहों को जोड़कर नर्सरी विकसित कराएँ : संभाग आयुक्त

ग्वालियर। स्व-सहायता समूहों को जोड़कर नर्सरीं विकसित कराएँ, जिससे पौधों की उपलब्धता बढ़ने के साथ-साथ समूह की महिलाओं की आय भी बढ़े। यह बात संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने कही। संभाग आयुक्त खत्री ग्वालियर जिले में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के रूप में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के लिये बनाई गई कार्ययोजना और जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हो रहे जल संरक्षण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार इस प्रकार से किया जाए जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ इनसे सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो और लोगों को आय के अतिरिक्त साधन भी उपलब्ध हों।

बैठक में संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने कहा कि जिला प्रशासन, नगर निगम, वन, जिला पंचायत व सामाजिक वानिकी सहित सभी विभागों के समन्वय से वृक्षारोपण किया जाए। वृक्षारोपण इस प्रकार से हो कि रोपे गए पौधे पेड़ बन सकें। उन्होंने कहा सरकार की मंशा के अनुरूप ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ को जन-जन का अभियान बनाएँ। प्रयास ऐसे हों जिससे लोग स्वप्रेरणा से पौधे रोपें और जिले के हर क्षेत्र से अपनी माँ एवं अन्य परिजनों के साथ पौधे रोपते हुए लोगों की सेल्फी प्राप्त हों। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिये उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिये भी कहा।

नागरिकों को सहभागी बनाने के निर्देश भी संभाग आयुक्त ने दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बैठक में जानकारी दी कि ग्वालियर जिले में सभी विभागों के समन्वय एवं जन सहयोग से लगभग 15 लाख पौधे रोपने की कार्ययोजना बनाई गई है। पौधे रोपने के लिये वृहद स्तर पर गड्ढे खोदने का काम किया गया है। साथ ही पौधरोपण का काम भी शुरू हो गया है। नगर निगम द्वारा 10 लाख, वन विभाग द्वारा 3 लाख एवं जिला पंचायत द्वारा एक लाख पौधे रोपने की कार्ययोजना बनाई गई है। इसके अलावा अन्य विभागों के समन्वय से पौधे रोपे जायेंगे।

संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार इस प्रकार करें कि ये संरचनायें लोगों की आजीविका का साधन भी बनें। बड़ी-बड़ी एवं ऐतिहासिक महत्व की जल संरचनाओं को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का काम प्रमुखता से हो। साथ ही जल संरचनाओं में मत्स्य पालन व सिंघाड़ा पालन जैसी आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाए। नगरीय निकाय जल संरचनाओं में नौकायन व वाटर स्पोर्ट्स आदि शुरू कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। संभाग आयुक्त ने जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार में गुणवत्ता का ध्यान रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने तालाबों के गहरीकरण के साथ-साथ पुरानी बावड़ी व कुओं को उपयोगी बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, वन मण्डलाधिकारी अंकित पाण्डेय, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के सीईओ नरोत्तम भार्गव मौजूद थे।

निर्माणाधीन स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स की खुली भूमि से हटाया अतिक्रमण, किया पौधारोपण

ग्वालियर। वार्ड क्रमांक 16 में जेसी मिल स्कूल के पास निर्माणाधीन स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के बगल में खुली पड़ी भूमि पर अतिक्रमण करने पर भवन शाखा द्वारा अतिक्रमण को हटाकर पौधारोपण किया गया। भवन अधिकारी यशवंत मेकले ने बताया कि वार्ड क्रमांक 16 में जेसी मिल स्कूल के पास निर्माणाधीन स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के बगल से पार्किंग के लिए छोड़ी गई खुली भूमि पर असिस्टेंट लाइन के रहवासियों के द्वारा प्रिकास्ट एवं लोहे की एंग्लों से बाउंड्री बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसे भवन शाख ने बुधवार को हटाकर खुली भूमि पर पौधारोपण किया है। कार्यवाही के दौरान अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे एवं क्षेत्राधिकारी रामसेवक शाक्य उपस्थित रहे रहे।

आयुष आयुक्त के नाम दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के बेनर तले पदाधिकारियों ने बुधवार को आयुष आयुक्त के नाम से जिला आयुष चिकित्सा अधिकारी को दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष डा. रोशनी सिंह, महासचिव डा. प्रदीप शिवहरे, डा. प्रिया पाटकर, डा. राहुल, डा. भारती माहौर, डा. प्रियंका पाल, डा. मेनका, डा. रश्मि, डा. राजपूत शामिल हैं। ज्ञापन में वेतन विसंगति दूर करने व संविदा नीति लागू करने की मांग की गई हैं।

संपादकीय

कुदरत की फिक्र लेकिन इकोलॉजिकल बैलेंस को लेकर जमीनी हकीकत अलग

जलवायु परिवर्तन, मानवीय गतिविधियों और जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में कई जीवों का अस्तित्व खत्म हो गया या फिर वे विलुप्त होने के कगार पर हैं। पिछले कुछ दशक से पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में समूचे जीव-जगत के संरक्षण पर खूब बातें होती रही हैं। मगर इस तरह की बातों का कोई ठोस हासिल तभी है, जब जमीनी स्तर पर व्यावहारिक कदम उठाए जाएं और उसी के मुताबिक नीतिगत स्तर पर नई पहल किए जाएं। मसलन, धरती की आबोहवा बिगड़ने की चुनौतियों के समांतर जैव-विविधता और उसके संरक्षण के मसले पर अगर ध्यान दिया जाए, तो दुनिया में पारिस्थितिकी से जुड़ी मुश्किलों को भी कुछ कम किया जा सकता है। इस लिहाज से भारत जीव-जंतुओं की विभिन्न प्रजातियों का दस्तावेजीकरण करने वाला पहला देश बन गया है। इसमें एक लाख चार हजार इकसठ प्रजातियों को शामिल किया गया है। यह सूची जीव प्रजातियों पर सबसे पहला व्यापक दस्तावेज है। इसका सबसे अहम संदेश यही गया है कि दुनिया भर में पर्यावरण में हो रहे बदलावों और नित नई खड़ी हो रही चुनौतियों के बीच भारत प्रकृति संरक्षण को लेकर केवल चिंता नहीं जताता, बल्कि वास्तविक सरोकार भी रखता है। जीव-जंतुओं की इस सूची में स्थानीय और संकटग्रस्त प्रजातियों के साथ ही सूचीबद्ध प्रजातियों को भी शामिल किया गया है।

जलवायु परिवर्तन, मानवीय गतिविधियों और जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में कई जीवों का अस्तित्व खत्म हो गया या फिर वे विलुप्त होने के कगार पर हैं। जबकि धरती पर जीवधारियों का होना या जैव-विविधता पारिस्थितिकी संतुलन के लिहाज से अनिवार्य है। किसी भी जीव के विलुप्त होने का सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इस तरह की सूची बनाने का फायदा यह होगा कि इसके जरिए जीव-जंतुओं का सर्वेक्षण करके उनके लिए भरोसेमंद संरक्षण का इंतजाम और पर्यावरण से सबंधित सूचनाएं तैयार करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, पक्षियों की संख्या में आ रहे बदलाव, उन पर स्थानीय, क्षेत्रीय और महाद्वीपीय स्तर पर मौसम और भूपारिस्थितिकी के असर का आकलन भी किया जा सकता है। इस दस्तावेजीकरण के जरिए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और पर्यावरणविदों को सभी जीवों की सूची के वर्गीकरण के साथ-साथ इसके आधार पर प्रकृति के संरक्षण के लिए नीतियां बनाने की दिशा में ठोस पहल करने में मदद मिलेगी।

ब्रिटेन में जब %बजट% शब्द का उपयोग होने लगा, तो इसने अपना प्रभामंडल और कद हासिल किया। 1400 ईस्वी तक ब्रिटिश संसद महज एक याचिका निकाय थी, जहां सांसद अपनी शिकायतों के समाधान की मांग करते थे और राजशाही खर्च योजना को मंजूरी देती थी। 18वीं सदी तक, चांसलर द्वारा पेश किए जाने वाले बजट का उद्देश्य खर्च को कम करना और एक नए सामाजिक अनुबंध के अनुसार, राजा की कर लगाने की शक्ति पर अंकुश लगाना था। आधुनिक काल में ब्रिटेन में कड़ी प्रतिद्वंद्विता के कारण छाया मंत्रिमंडल और छाया बजट की रूपरेखा तैयार हुई, जिससे संस्थाओं को प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण एवं योजनाएं पेश करने का मौका मिला। वास्तव में मौजूदा चुनाव में भी सट्टेबाजी और अन्य घोटालों के अलावा प्रमुख मुद्दा टोरिज और लेबर पार्टी के बीच वैचारिक प्रतिद्वंद्विता है।

पूर्ण बजट : प्रतिस्पर्धी विचारों की जरूरत ताकि संसाधनों का हो सके प्रभावी इस्तेमाल

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण इस महीने पूर्ण बजट पेश करेंगी। विपक्ष हमेशा शोर मचाता है, लेकिन उसे वैकल्पिक बजट पेश करने से कौन रोकता है, जिसमें प्रतिस्पर्धी विचारों के जरिये वह दिखा सकता है कि बेहतर नतीजों के लिए संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल कैसे किया जाए? बजट का इतिहास खुद में एक दिलचस्प यात्रा है। किवदंती है कि मध्ययुगीन फ्रांस में यायावर गीतकार बोगेट (बजट) में रखे गए अपने धन का प्रबंधन किसी संरक्षक को सौंपते थे, जिसे बजटकर्ता के रूप में जाना जाता था। ब्रिटेन में जब %बजट% शब्द का उपयोग होने लगा, तो इसने अपना प्रभामंडल और कद हासिल किया। 1400 ईस्वी तक ब्रिटिश संसद महज एक याचिका निकाय थी, जहां सांसद अपनी शिकायतों के समाधान की मांग करते थे और राजशाही खर्च योजना को मंजूरी देती थी। 18वीं सदी तक, चांसलर द्वारा पेश किए जाने वाले बजट का उद्देश्य खर्च को कम करना और एक नए सामाजिक अनुबंध के अनुसार, राजा की कर लगाने की शक्ति पर अंकुश लगाना था। आधुनिक काल में ब्रिटेन में कड़ी प्रतिद्वंद्विता के कारण छाया मंत्रिमंडल और छाया बजट की रूपरेखा तैयार हुई, जिससे संस्थाओं को प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण एवं योजनाएं पेश करने का मौका मिला। वास्तव में मौजूदा चुनाव में भी सट्टेबाजी और अन्य घोटालों के अलावा प्रमुख मुद्दा टोरिज और लेबर पार्टी के बीच वैचारिक प्रतिद्वंद्विता है। वैकल्पिक बजट केवल ब्रिटेन में ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड और दक्षिण अफ्रीका तक में प्रचलित है। इसी महीने बाद में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 2024ङ्क25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह कवायद ऐसे समय हो रही है, जब कुछ दिनों पहले लोकसभा चुनाव में दोनों गठबंधनों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर घोषणापत्रों एवं बयानबाजी के जरिये अपने दृष्टिकोण पेश किए, जिनमें बेरोजगारी, कृषि संकट, महंगाई, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दे शामिल थे। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र (न्याय पत्र) में कई विचार पेश किए। भाजपा के प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण %मोदी की गारंटी% की झलक स्पष्ट रूप में बजट में दिखेगी। आम तौर पर किसी भी बजट के बाद होने वाली बहस

दावों और प्रतिदावों के शोर की प्रतिस्पर्धा होती है। इसके बाद विलाप का एक सुनियोजित कोरस होता है कि किसने किया और क्या नहीं किया। इस बहस में बजट आवंटन पर कोई सूचना नहीं होती। विपक्ष हमेशा दावा करता है कि इसे बेहतर किया जा सकता था। सवाल उठता है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को छाया मंत्रिमंडल बनाने से कौन रोकता है, जिसमें मंत्री मंत्रालयों की निगरानी करते हैं और एक प्रतिस्पर्धी बजट पेश करते हैं। विपक्षी गठबंधन अपने दावों को दस्तावेज के रूप में क्यों नहीं %दूध का दूध और पानी का पानी% की तरह साबित कर सकता? सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध जानकारी तक विपक्ष की पहुंच है। फरवरी, 2024 में पेश किए गए अंतरिम बजट में बुनियादी मैक्रो डाटा शामिल है। इसके अलावा, पूर्वानुमानों के अद्यतन आंकड़े भी उपलब्ध हैं-इसमें 2023-24 के लिए जीडीपी के अनंतिम अनुमान, बेहतर प्रत्यक्ष कर संग्रह का विवरण, जीएसटी प्राप्तियों के आंकड़े, भारतीय रिजर्व बैंक से अधिशेष, मौद्रिक नीति समिति के बयानों में विकास और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान शामिल हैं। वैकल्पिक बजट को सरकार द्वारा बजट पेश किए जाने के एक या दो दिन पहले या बजट के एक दिन बाद जारी किया जा सकता है। बजट तैयार करना राजनीतिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं को एक साथ जोड़ने का विज्ञान और कला, दोनों है। यह देश के लोगों के लिए उपयोगी होगा, ताकि वे %विकास के एजेंडे को कैसे तैयार किया जाए% इस पर दोनों पक्षों के फोकस और दृष्टिकोण की तुलना कर पाएंगे। चुनाव अभियान ने मुद्रास्फीति, कृषि संकट और बेरोजगारी के मुद्दों पर बढ़ती चिंता और मध्यम वर्ग की कथित उपेक्षा की पीड़ा को उजागर किया। कांग्रेस के पास यह दिखाने का अवसर है कि वह किस तरह से अपने विचारों को सामने रखेगी और अर्थव्यवस्था को गति देगी। मसलन, प्रशिक्षुता कार्यक्रम और प्रति वर्ष एक लाख रुपये का भुगतान, प्रत्येक गरीब परिवार को एक लाख रुपये बिना शर्त नकद हस्तांतरण की महालक्ष्मी योजना। यह कोई रहस्य नहीं है कि नोटबंदी, जीएसटी की शुरुआत और कोरोना महामारी जैसे कई व्यवधानों के कारण राज्यों में कई अनौपचारिक उद्यम और एमएसएमई बंद हो गए। असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के ताजा वार्षिक सर्वे के विश्लेषण से पता चलता है कि 18 लाख उद्यमों के बंद होने से 50 लाख से ज्यादा नौकरियों का नुकसान हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन उत्तर प्रदेश या महाराष्ट्र में कौशल विकास वृत्ति द्वारा सक्षम एक मॉडल कार्यक्रम या 'आकांक्षी जिलों' में एक बड़ा कार्यक्रम पेश कर सकता है। यह भी सबको मालूम है कि प्राथमिक स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जरूरत और उपलब्धता के बीच भारी अंतर है। विपक्षी पार्टियां स्वास्थ्य और अन्य पहलों के विस्तार के लिए एक फंडिंग योजना की रूपरेखा बना सकती हैं, साथ ही विकास को समर्थन देने के लिए एक विधायी एजेंडा भी बना सकती हैं। वैकल्पिक बजट विपक्षी गठबंधन को यह दिखाने का मौका दे सकता है कि संसाधनों (जैसे बढ़े हुए राजस्व और आरबीआई के अधिशेष) को बेहतर परिणामों के लिए कैसे इस्तेमाल किया जाता है या किया जाना चाहिए। इसके लिए विपक्षी गठबंधन पूर्व वित्त मंत्रियों, अर्थशास्त्रियों जैसे जानकार लोगों को इकट्ठा करके इस कार्य के लिए आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन कर सकता है। पार्टियां बजट की तरह बुनियादी टेम्पलेट पेश करने के लिए सहयोग कर सकती हैं, जिसमें राजस्व की प्राप्ति और खर्च के साथ उद्देश्य को दर्शाया गया हो। वैकल्पिक दृष्टिकोण केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे। यह काम कॉरपोरेट द्वारा वित्त पोषित थिंक टैंक एवं उद्योग मंडलों द्वारा भी किया जा सकता है। उद्योग मंडलों की इच्छा सूची में पूंजीगत व्यय में 25 फीसदी की वृद्धि, पीएलआई का विस्तार, निम्न एवं मध्य आय वर्ग के परिवारों को आयकर में राहत का प्रावधान, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर निवेश में वृद्धि, छोटे उद्यमियों को समर्थन, मौजूदा कॉरपोरेट टैक्स पर यथास्थिति शामिल हैं, हालांकि इसमें वित्तीय समेकन पर जोर दिया गया है। भारत इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। ऐसे में %क्या है और क्या हो सकता है% के बीच राजनीति फंसी नहीं रह सकती। जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकी व भू-राजनीति जैसे व्यवधान अनिश्चितता को बढ़ा रहे हैं। एक अरब से अधिक लोगों की आकांक्षाएं जीवन और आजीविका के मुद्दों पर हितधारकों से प्रतिस्पर्धी विचारों की हकदार हैं।

करुणा और प्रेम की राह, भावनाओं की कदर और सम्मान का समर्पण है बड़ा आधार

प्रेम और करुणा के साथ जीने से हम अपने समुदाय के विकास में योगदान कर सकते हैं और एक ऐसे समुदाय का निर्माण करते हैं, जिसमें लोग महत्त्वाकांक्षी, समझदार और समर्थ महसूस करते हैं। प्रेम और करुणा के माध्यम से हम न केवल अपने जीवन को समृद्ध करते, बल्कि मानवता के सामूहिक उत्कर्ष में भी योगदान देते हैं। कबीर दास ने कहा था- 'पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' यहां उन्होंने प्रेम की सुंदर परिभाषा दी है। प्रेम हमारे जीवन का वह महत्त्वपूर्ण तत्त्व है, जो हमें खुशहाल और संतुष्ट जीवन जीने की कला सिखाता है। यह हमें समाज में सम्मान और स्नेह का अहसास कराता है और हमारे अस्तित्व को समृद्ध करता है। प्रेम का अर्थ सिर्फ शृंगारिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने परिवार, मित्र, समाज और सभी प्राणियों के प्रति एक सजीव और समर्पित भावना को भी स्पष्ट करता है। व्यावहारिक मनोविज्ञान के अनुसार, प्रेम संबंधों में जीवन संतुष्टि की गहरी और स्थायी भावना को प्रकट करता है। यह हमें अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण और अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में ले जाता है। विभिन्न अध्ययनों ने दिखाया है कि प्रेम संबंध रक्तचाप को कम करने, मनोदशा को सुधारने, और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन में हमें प्रेम के विभिन्न रूपों को पहचानने की आवश्यकता है। यह वह भावना है जो हमें अपने परिवार, मित्र, समाज, और प्राकृतिक जगत के प्रति समर्पित करती है। अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में प्रेम को पहचानने के लिए हमें अपने संबंधों में समर्पण और सहानुभूति दिखाने की आवश्यकता है। दूसरों की भावनाओं का हमें सम्मान करना चाहिए और उनके साथ मिलजुल कर रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, हमें अपने कार्यों और विचारों में प्रेम को व्यक्त करने का प्रयास एक जरूरी पहलू है। एक छोटे प्रेम भाव से लेकर बड़े संबंधों तक हमें सब पर ध्यान देना और समर्पित भावना के साथ सहयोग करना मानवीय तकाजा है। प्रेम, एक अद्वितीय और समृद्ध भावना है जो मानव जीवन के सभी पहलुओं को सुंदरता से छूती है। यह न केवल सामाजिक, नैतिक, मानसिक रिश्तों को मजबूती देता है, बल्कि दोस्तों, परिवार, पालतू जानवरों और अजनबियों के साथ भी हमारे बंधन को मजबूत और मानवीय बनाता है। इसकी यह विविधता हमें समाज में जुड़े रहने का महत्त्व समझाती है। प्रेम की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह सीमाओं से परे होता है। यह न केवल जाति के दायरे और धर्म को छोड़ता है, बल्कि पारंपरिक धारणाओं के दायरों को भी तोड़ता है और अन्य स्तर के संबंधों को भी स्वीकार करता है। बारबरा फ्रेडरिकसन के अनुसार, प्रेम कठोर वर्गीकरण को खारिज करता है और विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। प्रेम की असीमित शक्ति हमारे जीवन में सुंदरता और सफलता लाती है। यह हमें समझाता है कि हम सभी में एकता है और हमें दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। प्रेम के माध्यम से हम अपने जीवन में सुख, स्नेह, और सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देते हैं। प्रेम एक ऐसी भावना है जो हमें समझने की क्षमता प्रदान करती है। यह हमें दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने की सीख देती है और हमें अपने आसपास के लोगों के प्रति सहानुभूति और समर्थन दिखाने की प्रेरणा देती है। प्रेम का महत्त्व समझने के लिए इस स्वीकार का साहस जरूरी है कि हमारे समाज में बहुत सारे अनसुलझे सामाजिक मुद्दे हैं। इन मुद्दों में भेदभाव, असमानता, और विवाद शामिल हैं। इन समस्याओं को समझने और समाधान करने की क्षमता भी हमें प्रेम प्रदान करता है। इसके माध्यम से हम अपने समुदाय में एक महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। हम उन लोगों के साथ सहानुभूति और समर्थन दिखाते हैं जो हमारे समाज के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इससे हमारे समाज में एकता और समरसता का वातावरण बनता है जो हमें और भी समृद्ध बनाता है।

करुणा और प्रेम हमें समझने, समाधान करने और समर्थन देने की क्षमता प्रदान करता है। यह हमारे समाज को मजबूत और समृद्ध बनाता है और हमें एक बेहतर और समर्थन की दिशा में ले जाता है। प्रेम और करुणा की संस्कृति एक महत्त्वपूर्ण और शक्तिशाली विशेषता है जो हमें अद्वितीय बनाती है। यह हमें दूसरों के साथ संबंध बनाने और उनके साथ मिलकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता प्रदान करती है। प्रेम और करुणा के माध्यम से हम उन्हें बहुत अधिक उत्साहित करते हैं जो हमारे चारों ओर हैं और इससे हमारे आसपास के समुदाय का विकास होता है। यह एक प्रकार का लगाव है जो हमारे जीवन में नए और सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। इसके साथ जीने से हम अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करते हैं कि वे भी ऐसा करें, जिससे एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है जो समाज के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। दरअसल, यह एक जीवन-दर्शन है जिसके सहारे हमें सभी के साथ उदार और समझदार बनने में मदद मिलती है। प्रेम और करुणा के साथ जीने से हम अपने समुदाय के विकास में योगदान कर सकते हैं और एक ऐसे समुदाय का निर्माण करते हैं, जिसमें व्यक्ति महत्त्वाकांक्षी, समझदार और समर्थ महसूस करते हैं।

प्रेम और करुणा के माध्यम से हम न केवल अपने जीवन को समृद्ध करते, बल्कि मानवता के सामूहिक उत्कर्ष में भी योगदान देते हैं। इस दुनिया में, जो अक्सर विभाजन और कलह से भरी होती है, हमारे आसपास मौजूद प्रेम की प्रचुरता को पहचानने और उसे अपनाने के महत्त्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। प्रेम की बहुमुखी प्रकृति को अपनाने और सभी रिश्तों को पोषित करने से हम जुड़ाव, कृतज्ञता और पूर्णता की गहरी भावना विकसित करते हैं। जैसे-जैसे हम जीवन की यात्रा करते हैं, हम अपने आसपास मौजूद प्रेम को स्वीकार करने और उसकी सराहना करने के लिए रुकना चाहिए।

उम्मीद : बांस तोड़ेगा जलवायु परिवर्तन का कुचक्र

यह कार्बन पौधे के तने, पत्तियों और जड़ों सहित बायोमास में जमा होता है। इसके अतिरिक्त, बांस की व्यापक जड़ प्रणाली मिट्टी को स्थिर करने और कटाव को रोकने में मदद करती है, जिससे कार्बन के प्राकृतिक भंडारण में भी मदद मिलती है। बांस का उच्च बायोमास उत्पादन जलवायु परिवर्तन के शमन का महत्वपूर्ण कारक है। यह बड़ी मात्रा में कार्बनिक पदार्थ का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बायोएनर्जी सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक मुद्दों में से एक है, जो दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को प्रभावित कर रहा है। जैसे-जैसे विभिन्न देश कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कार्बन पृथक्करण बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, बांस एक आशाजनक समाधान के रूप में उभर रहा है। अपनी तीव्र वृद्धि, उच्च बायोमास उत्पादन और कार्बन पृथक्करण क्षमताओं के कारण बांस जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने का अवसर दे सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि बांस पारंपरिक पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह कार्बन पौधे के तने, पत्तियों और जड़ों सहित बायोमास में जमा होता है। इसके अतिरिक्त, बांस की व्यापक जड़ प्रणाली मिट्टी को स्थिर करने और कटाव को रोकने में मदद करती है, जिससे कार्बन के प्राकृतिक भंडारण में भी मदद मिलती है। बांस का उच्च बायोमास उत्पादन जलवायु परिवर्तन के शमन का महत्वपूर्ण कारक है। यह बड़ी मात्रा में कार्बनिक पदार्थ का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बायोएनर्जी सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

बांस के बायोमास को बायोचार में परिवर्तित किया जा सकता है, जो चारकोल का एक रूप है, और सैकड़ों वर्षों तक कार्बन को वायुमंडल से अलग कर सकता है। बांस लकड़ी का एक स्थायी विकल्प प्रदान करता है। इसकी कटाई के बाद इसे दोबारा लगाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि अपनी जड़ से यह दोबारा उगता है। बांस पारंपरिक वनों पर दबाव भी कम करता है और इस तरह वन और जल संरक्षण में योगदान देता है। दुनिया भर में बांस के जंगल लगभग 3.15 करोड़ हेक्टेयर में फैले हुए हैं। चीन, भारत और म्यांमार प्रमुख बांस उत्पादक देश हैं। कई वैश्विक पहलें जलवायु परिवर्तन के शमन में बांस की भूमिका पर जोर देती हैं। इथियोपिया और घाना जैसे देश अपने पुनर्वनीकरण और भूमि बहाली प्रयासों के तहत बांस की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। कोलंबिया और इक्वाडोर जैसे देश सतत विकास और जलवायु लचीलेपन के लिए बांस को अपनी राष्ट्रीय रणनीतियों में शामिल कर रहे हैं। चीन ने भी जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बांस की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है। भारत दुनिया के सबसे बड़े बांस उत्पादकों में से एक है, जहां लगभग 1.4 करोड़ हेक्टेयर बांस के जंगल हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में देश के बांस संसाधनों का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा है। केंद्र सरकार के बांस मिशन का उद्देश्य बांस की खेती और इसके टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देना है। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में बांस के जंगल प्रति वर्ष लगभग 12 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह आंकड़ा भारत के जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में बांस के संभावित योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) ग्रामीण समुदायों की आजीविका बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए गैर-वन क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देता है। विभिन्न राज्य सरकारों ने बांस की खेती और उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं।

बांस की खेती और प्रबंधन के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अतिरिक्त, बांस के कार्बन पृथक्करण को मापने के लिए मानकीकृत पद्धतियों की कमी इसके जलवायु लाभों के मूल्यांकन को जटिल बनाती है। बांस के पारिस्थितिक और आर्थिक लाभों को बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुसंधान में निवेश करना, बांस की खेती, उपयोग और व्यापार को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाना, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों और हितधारकों की क्षमता को बढ़ाना और बांस उत्पादों के लिए बाजार बनाना और विस्तार करना जरूरी है। बांस जलवायु परिवर्तन के शमन के लिए आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है। यह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में एक मूल्यवान संसाधन है। सरकारों, अनुसंधान संस्थानों और समुदायों के ठोस प्रयासों से बांस सतत विकास को बढ़ावा देते हुए वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकता है। बांस की क्षमता का उपयोग करके हम एक हरित जलवायु-प्रिय भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

(लेखिका राष्ट्रीय बांस मिशन की सलाहकार हैं।)

हादसों के आयोजन पर बड़ा सवाल, भीड़ जुटाने पर जितना जोर रहता है उतना भीड़ नियंत्रित करने पर क्यों नहीं

इसके अनेक उदाहरण हैं, मगर उनसे शायद सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती और फिर नए हादसे हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुआ हादसा इसकी ताजा कड़ी है। बताया जा रहा है कि वहां महीने के पहले मंगलवार को तीन घंटे के सत्संग का आयोजन किया गया था। उसमें देश के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु आए हुए थे। करीब पचास हजार लोगों की भीड़ जुटी बताई जा रही है। सत्संग की समाप्ति के बाद अचानक भगदड़ मच गई और सौ से ऊपर लोग दब कर मर गए, दो सौ से अधिक के घायल होने की खबर है।

निस्संदेह इतने बड़े आयोजन में जुटने वाली भीड़ का अंदाजा आयोजकों को रहा होगा। इस भीषण गर्मी में हजारों लोगों के एक जगह इकट्ठा लोगों पर क्या स्थिति होगी, इसका अनुमान भी उन्हें रहा होगा। मगर फिर भी लोगों के लिए छाया-हवा-पानी का माकूल इंतजाम क्यों नहीं किया गया। यह समझ से परे है कि किसी कार्यक्रम के आयोजकों का जितना जोर भीड़ जुटाने पर होता है, उसका एक अंश भी उस भीड़ को व्यवस्थित करने पर क्यों नहीं होता। अक्सर धार्मिक उत्सवों, मेलों, सत्संग, यज्ञ आदि के आयोजन में व्यवस्थागत खामियों के चलते भगदड़ मचने, दम घुटने, पंडाल वगैरह के गिरने से लोगों के नाहक मारे जाने की घटनाएं हो जाती हैं। इसके अनेक उदाहरण हैं, मगर उनसे शायद सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती और फिर नए हादसे हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुआ हादसा इसकी ताजा कड़ी है। बताया जा रहा है कि वहां महीने के पहले मंगलवार को तीन घंटे के सत्संग का आयोजन किया गया था। उसमें देश के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु आए हुए थे। करीब पचास हजार लोगों की भीड़ जुटी बताई जा रही है। सत्संग की समाप्ति के बाद अचानक भगदड़ मच गई और सौ से ऊपर लोग दब कर मर गए, दो सौ से अधिक के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि सत्संग समाप्ति के बाद जब मुख्य महात्मा का काफिला वहां से रवाना हुआ तो भीड़ को जबरन रोक दिया गया। भीषण गर्मी और उमस के कारण कई लोग बेहोश हो गए, जिसकी वजह से भगदड़ मची। हालांकि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और उसके बाद ही असली वजह पता चल सकेगी। निस्संदेह इतने बड़े आयोजन में जुटने वाली भीड़ का अंदाजा आयोजकों को रहा होगा। इस भीषण गर्मी में हजारों लोगों के एक जगह इकट्ठा लोगों पर क्या स्थिति होगी, इसका अनुमान भी उन्हें रहा होगा। मगर फिर भी लोगों के लिए छाया-हवा-पानी का माकूल इंतजाम क्यों नहीं किया गया। ऐसे आयोजनों में व्यवस्था की जिम्मेदारी आयोजक खुद उठाते हैं। वे अपने स्वयंसेवकों के जरिए आयोजन स्थल पर लोगों के प्रवेश और निकास का प्रबंध करते हैं। बताया जा रहा है कि इस सत्संग का आयोजन पिछले दस वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है। इसलिए इसके आयोजकों और स्वयंसेवकों में अनुभव की कमी भी नहीं मानी जा सकती। फिर कैसे उन्हें इस तरह के हादसे का अंदेशा नहीं था। अगर भीड़ मुख्य महात्मा के करीब पहुंचने या उनके काफिले के पीछे जाने को उतावली हो उठी, तो जाहिर है, ऐसा तभी हुआ होगा, जब दोनों के रास्ते अलग से तय नहीं किए गए थे।

सवाल यह भी है कि बगैर व्यवस्था जांचे स्थानीय प्रशासन ने कैसे इस आयोजन की इजाजत दे दी। ऐसे हादसे न केवल धार्मिक आयोजनों में, बल्कि राजनीतिक रैलियों, विभिन्न मेलों, सांस्कृतिक उत्सवों आदि में भी हो चुके हैं। यह ठीक है कि निजी या सार्वजनिक प्रयासों से आयोजित होने वाले इतने विशाल कार्यक्रमों को संभालने के लिए स्थानीय स्तर पर पुलिस बल उपलब्ध कराना कठिन काम है, मगर इस तर्क पर प्रशासन की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती। इस तरह का कोई भी आयोजन बिना प्रशासन की पूर्व अनुमति के नहीं हो सकता। फिर प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि आयोजन स्थल की व्यवस्था जांचे और आयोजकों की जवाबदेही तय करे। मगर जिन आयोजनों से लोगों की आस्था जुड़ी होती है, उनमें प्रशासन अक्सर ढीला ही देखा जाता है। आखिर कब इस तरह के हादसों को रोकने के लिए कोई सख्त नियम-कायदा बनेगा। ऐसे हादसों की जवाबदेही तय करने के लिए कब कोई नजीर बन सकने वाली कार्रवाई होगी।

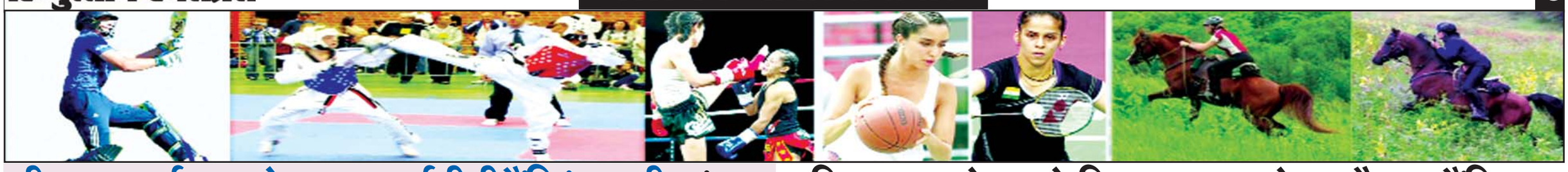

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद आईसीसी रैंकिंग जारी, पंड्या नंबर-1 ऑलराउंडर, सूर्यकुमार बैटिंग में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की लेटेस्ट टी-20 प्लेयर्स रैंकिंग में टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को दो स्थान का फायदा हुआ है। पंड्या ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए हैं। बुधवार को जारी रैंकिंग में टी-20 फॉर्मेट में बैटिंग में सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर कायम हैं।

आईसीसी की ओर से जारी की गई टी-20 में ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 222 की रेटिंग के साथ हार्दिक पंड्या नंबर एक बन गए हैं। उन्होंने दो स्थानों की छलांग मारी है। टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल और इसके बाद फाइनल में भी पंड्या ने कमाल का प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम के चैंपियन बनने में उनका भी बड़ा और अहम योगदान रहा, जब वे मैच का आखिरी ओवर कर रहे थे।

ट्रैविस हेड रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

टी-20 की रैंकिंग में बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड का अभी भी

नंबर एक पर कब्जा बरकरार है। पिछली बार जब हेड नंबर एक बने थे, जब उनकी रेटिंग 844 की थी, जो अभी भी उतनी ही है। भारतीय बैटर सूर्यकुमार यादव 838 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

बुमराह ने लगाई लंबी छलांग

टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार गेंदबाजी करने वाले जसप्रीत बुमराह ने बॉलिंग रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे बुमराह ने 12 स्थानों की छलांग लगाकर 12वें नबर पर पहुंच गए हैं। वहीं बॉलिंग रैंकिंग में टॉप-10 में दो भारतीय हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग की टीमों ने अगले तीन सीजन के लिए प्लेयर रिटेंशन की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फ्रेंचाइजी की राय अलग-अलग रही, लेकिन अधिकांश ने पहले की तुलना में अधिक रिटेंशन की मांग की है। ज्यादातर टीमें अपने 5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं। इसमें से एक ने आठ का सुझाव भी दिया है। वहीं कुछ टीमों ने कोई भी रिटेंशन नहीं होना चाहिए, ऐसा सुझाव दिया है

विम्बलडन के दूसरे दिन बड़ा उलटफेर, मौजूदा चैंपियन वोंद्रोसोवा को 21 साल की जेसिका बूजास मैनीरो ने हराया

नई दिल्ली। विम्बलडन के दूसरे दिन ही बड़ा उलटफेर हुआ है। मौजूदा चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा विम्बल्डन के पहले ही दौर से बाहर हो गई है। इसके साथ ही वो बीते 30 साल में विम्बलडन के पहले दौर में हारने वाली पहली महिला डिफेंडिंग चैंपियन बन गई हैं।

30 साल पहले 1994 में पहली बार स्टेफी ग्राफ को लोरी मैकनील ने इसी तरह विम्बलडन के शुरुआती राउंड में ही बाहर का रास्ता दिखाया था। चेक रिपब्लिक की 25 साल की मार्केता वोंद्रोसोवा सीधे सेटों सीधे सेटों में विश्व की 83वीं रैंक की खिलाड़ी स्पेन की 21 साल की जेसिका बूजास मैनीरो से हार गईं। मार्केता वोंद्रोसोवा 67 मिनट के अंदर मैनीरो से 6-4, 6-2 से हारी। अपनी 2023 की सफलता से पहले मार्केता वोंद्रोसोवा ने एसडबलू 19 में केवल एक मुख्य-ड्रा मैच जीता था और दो सप्ताह पहले बर्लिन में उन्हें चोट लगी थी।

दुनिया की छठे नंबर की वोंद्रोसोवा ने टूर्नामेंट से पहले जोर देकर कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं, लेकिन

उनके पहले सर्विस गेम में तीन डबल-फॉल्ट हुए। इसके बाद वो संभल नहीं पाई।

स्पेन की 21 साल की जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को हरा दिया। हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं। पहले गेम के बाद यहां का माहौल काफी अच्छा लगा और लग रहा था कि मैं घर में खेल रही हूं।

नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में पहुंचें

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने ग्रास कोर्ट पर अपना मास्टर क्लास दिखाते हुए चेक गणराज्य के विट कोपरीवा को लगातार सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटने वाले जोकोविच ने अपनी पहली सर्विस पर 90 फीसदी अंक बटोरे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती दो मैचों से बाहर हुए सैमसन-दुबे और यशस्वी, इन्हें किया गया शामिल

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनने के बाद अब भारतीय टीम का अगला असाइनमेंट जिम्बाब्वे के खिलाफ है। पांच मैचों की इस सीरीज की शुरुआत छह जुलाई से होने जा रही है। इस सीरीज के लिए पहले ही भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है। हालांकि, अब बीसीसीआई ने मंगलवार को शुरुआती दो मैचों के लिए टीम में तीन बड़े बदलाव किए हैं। साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को शुरुआती दो मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। इन्हें संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल का रिप्लेसमेंट बनाया गया है जो बेरिल तूफान की वजह से भारतीय टीम के साथ बारबाडोस में फंसे हुए हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने सुदर्शन, जितेश और हर्षित को टीम इंडिया के साथ भेजा है। भारतीय टीम मंगलवार को ही जिम्बाब्वे दौरे के लिए

रवाना हुई।

इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम मंगलवार तड़के भारत से रवाना हो गई। पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच छह जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाएगा। सभी पांच मुकाबले यहीं खेले जाने हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर जिम्बाब्वे के लिए रवाना होने वाले खिलाड़ियों की तस्वीरें साझा कीं। इसमें अभिषेक शर्मा, मुकेश कुमार, ऋतुराज गायकवाड़, आवेश खान, रियान पराग शामिल थे। इस दौरे के दौरान भारत के कोच पूर्व क्रिकेटर और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण होंगे। वह भी टीम इंडिया के साथ दिखे। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- जेट सेट जिम्बाब्वे। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को दौरे के लिए कप्तान बनाया गया है। हालांकि, वह न्यूयॉर्क से हरारे पहुंचेंगे और टीम इंडिया में शामिल होंगे। रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद जैसे विश्व कप के रिजर्व खिलाड़ियों को भी जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है।

5–7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें, मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की टीमों ने अगले तीन सीजन के लिए प्लेयर रिटेंशन की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फ्रेंचाइजी की राय अलग-अलग रही, लेकिन अधिकांश ने पहले की तुलना में अधिक रिटेंशन की मांग की है। ज्यादातर टीमें अपने 5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं। इसमें से एक ने आठ का सुझाव भी दिया है। वहीं कुछ टीमों ने कोई भी रिटेंशन नहीं होना चाहिए, ऐसा सुझाव दिया है।

मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में हो सकता है। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर नियम बने रहने की उम्मीद है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2021 में फ्रेंचाइजी को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की

अनुमति दी थी। इसमें तीन से अधिक भारतीय और दो से अधिक विदेशी खिलाड़ी नहीं हो सकते थे।

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने रिटेंशन पॉलिसी को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। इस महीने के अंत में मालिकों की एक मीटिंग में अंतिम फैसले के बाद घोषणा होने की उम्मीद है। बैठक तब होने की उम्मीद है जब सभी मालिक हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध होंगे।

अभी नीलामी के लिए रिटेन के नियम के मुताबिक एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं एक खिलाड़ी को राइट टु मैच कार्ड के साथ अपने साथ जोड़ा जा सकता था। ऐसे में टीमों को पांच खिलाड़ियों को रिटेन का मौका मिलता है। किसी भी टीम को अधिकतम 2 विदेशी खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत है।

इसके अलावा टीमें ने ऑक्शन पर्स भी बढ़ाना चाहती हैं। इस बार पर्स में भी 20 करोड़ का इजाफा हो सकता है। अभी मेगा ऑक्शन में प्रत्येक टीम के पास नीलामी के लिए 100 करोड़ रुपए रहते हैं।

व्यापार

अनअकेडमी ने 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, ये मार्केटिंग और सेल्स में काम कर रहे थे

नई दिल्ली। सॉफ्ट बैंक बैक्ड एडटेक कंपनी अनअकेडमी ने करीब 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इनमें से करीब 100 एम्प्लॉइज कंपनी के बिजनेस डेवलपमेंट और मार्केटिंग टीम के लिए काम कर रहे थे। वहीं, करीब 150 लोग सेल्स डिपार्टमेंट से थे। मनीकंट्रोल ने सोर्सेज के हवाले से इस बात की जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने यह फैसला रिस्ट्रक्चरिंग के चलते लिया है।

अनअकेडमी ने एक बयान में कहा, कंपनी के संचालन को सुव्यवस्थित करने और बिजनेस एफिसिएंसी बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयास के हिस्से के रूप में हमने रिस्ट्रक्चरिंग की है। कंपनी के लक्ष्यों और विजन को ध्यान में रखते हुए यह जरूरी था। यह सस्टनेबल ग्रोथ और प्रॉफिटेबिलिटी के लिए भी जरूरी था,

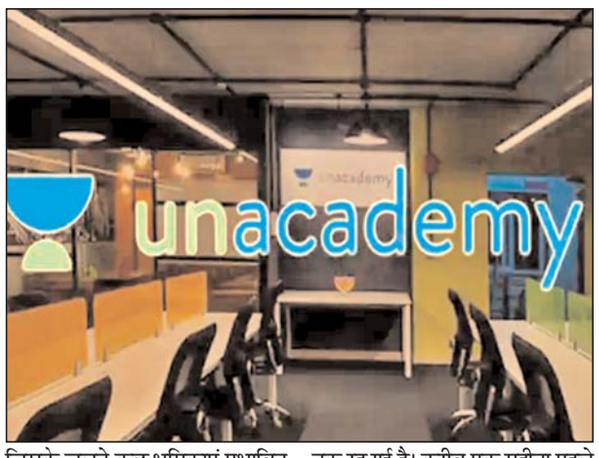

जिसके चलते कुछ भूमिकाएं प्रभावित हुई हैं। अनअकेडमी में पिछले 2 साल में कई दौर की छंटनी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, अप्रैल 2022 में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 6000 से ज्यादा थी, जो अब कम होकर 2000 तक रह गई है। करीब एक महीना पहले कंपनी के को-फाउंडर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हिमेश सिंह ने खुद को एग्जीक्यूटिव रोल से एडवाइजरी रोल के लिए शिफ्ट कर लिया था।

अनअकेडमी की स्थापना गौरव मुंजाल, रोमन सैनी और हेमेश सिंह ने 2015 में की थी। यह कॉम्पिटिटिव एग्जाम के लिए ऑनलाइन तैयारी कराती है। कंपनी ने अब तक 877 मिलियन डॉलर (करीब 7,318 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया है। पिछली बार कंपनी ने अगस्त 2021 में टेमासेक, जनरल अटलांटिक और अन्य से 440 मिलियन डॉलर (करीब 3,672 करोड़ रुपए) का फंड जुटाया था। तब उसकी वैल्यूएशन 3.4 बिलियन डॉलर (करीब 28,379 करोड़ रुपए) थी।

स्टैटिस्टा की 26 सितंबर 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, अनअकेडमी के 1.3 करोड़ से ज्यादा ऑनलाइन यूजर्स हैं। सबसे ज्यादा बायजूस के 15 करोड़ यूजर्स हैं। इसके अलावा वेदांतु के 3.5 करोड़ और अपग्रेड के 20 लाख यूजर्स हैं।

भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू बंद हुआ फाउंडर्स बोले- लिटल यलो बर्ड सेज फाइनल गुडबाय

नई दिल्ली। भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू अब बंद हो गया है। चश्शश के फाउंडर्स अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने इस फैसले का ऐलान किया। इस ऐप को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को टक्कर देने के लिए लॉन्च किया गया था। फाउंडर्स ने पार्टनरशिप विफल होने, अनप्रिडिक्टेबल कैपिटल मार्केट और हाई टेक्नोलॉजी कॉस्ट के कारण यह फैसला लेने की बात कही है। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल 2023 में कर्मचारियों की बड़ी संख्या को नौकरी से निकाला था।

फाउंडर्स ने कंपनी के कुछ एसेट्स को बेचने की बात भी कही है। उन्होंने कहा, हमें इनमें से कुछ एसेट्स को भारत में सोशल मीडिया के सेक्टर में

प्रवेश करने के लिए बड़ा विजन रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ शेयर करने में खुशी होगी।

फाउंडर्स ने कहा, हमने X/Twitter की तुलना में बहुत कम समय में ग्लोबल लेवल पर एक स्केलेबल प्रोडक्ट बनाया, जिसमें बेहतर सिस्टम, एल्गोरिदम और स्ट्रांग स्टेकहोल्डर-फर्स्ट फिलोसोफीज हैं।

हमारी टीम हर मुश्किल समय में हमारे साथ खड़ी रही। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे भावुक लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जो हमारी कंपनी के उद्देश्य में विश्वास करते थे।

फाउंडर्स ने उद्यमियों के रूप में अपनी वापसी का संकेत देते हुए कहा, जहां तक हमारा सवाल है, हम दिल से उद्यमी हैं और आप हमें किसी न किसी तरह से फिर से मैदान में देखेंगे। तब तक, आपके समय, ध्यान, शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद। लिटल यलो बर्ड सेज फाइनल गुडबाय।

सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का हाई बनाया, इसके बाद सेंसेक्स 545 अंक चढ़कर 79,986 पर बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने यानी 3 जुलाई को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का लेवल छुआ। हालांकि इसके बाद बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 545 अंक की तेजी के साथ 79,986 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 162 अंक की तेजी रही। ये 24,286 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी और 6 में गिरावट देखने को मिली। बैंकिंग, पावर और मेटल शेयर्स में ज्यादा तेजी है। टाटा कंज्यूमर के शेयर में 3.55 प्रतिशत की तेजी रही।

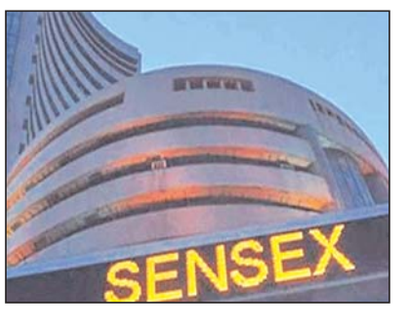

एनएसई के सेक्टोरियल इंडेक्स में निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा 2.02 प्रतिशत की तेजी रही। फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.82 प्रतिशत और निफ्टी बैंक में 1.77 प्रतिशत की बढ़त रही। मीडिया को छोड़कर सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी रही।

सेंसेक्स को 70 हजार से 80 हजार तक पहुंचने में 7 महीने लगे हैं। 11 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार पर था, जो अब, यानी 3 जुलाई को 80 हजार पर पहुंच गया है। वहीं, सेंसेक्स 60 हजार से 70 हजार पर पहुंचने में 2 साल से ज्यादा लगे थे। इस साल इस साल अब तक सेंसेक्स में 10 प्रतिशत और बीते 1 साल में 22 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

सोने-चांदी के दाम में तेजी, गोल्ड 281 रुपए बढ़कर 71,983 रुपए पर पहुंचा

नइ दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 3 जुलाई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 281 रुपए बढ़कर 71,983 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 71,692 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

वहीं एक किलो चांदी 842 रुपए बढ़कर 88,857 रुपए में बिक रही है। इससे पहले चांदी 88,015 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

इस साल अब तक सोने के दाम 8,631 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। जो अब 71,983 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 88,857 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 15,462 रुपए बढ़ चुकी है।

जीरो ब्रोकरेज सर्विस को बंद कर सकता है जिरोधा

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म जिरोधा जीरो ब्रोकरेज फ्रेमवर्क खत्म कर सकता है, या फ्यूचर्स और ऑप्शंस की ट्रेडिंग फीस बढ़ा सकता है। जिरोधा के को फाउंडर और ष्टश्वह्व नितिन कामत ने ये संकेत दिए हैं। मार्केट रेगुलेटर सेबी के नए सर्कुलर के कारण ऐसा हो सकता है।

नितिन कामत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा- सेबी ने हाल ही में एक सर्कुलर जारी किया है। उसमें कहा गया है कि स्टाक एक्सचेंज जैसी मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस को 2 अक्टूबर 2024 से लगाए जाने वाले चार्ज को लेबल के अनुसार लगाना होगा।

कामत ने कहा, इस सर्कुलर का असर न केवल ब्रोकर्स पर बल्कि ट्रेडर्स और इन्वेस्टर्स पर भी पड़ेगा। पूरी संभावना है कि जीरो ब्रोकरेज स्ट्रक्चर को छोड़ना होगा या फिर F&O ट्रेड

के लिए ब्रोकरेज बढ़ाना होगा। पूरी इंडस्ट्री में ब्रोकर्स को भी अपनी कीमतों में बदलाव करना होगा।

सेबी ने अपनी सेकेंडरी मार्केट एडवाइजरी कमेटी के साथ चर्चा के बाद MIIs के लिए गाइडलाइन बनाई है। इसके अनुसार एंड क्लाइंट पर लगाए गए चार्ज को मिले चार्ज से मेल खाने चाहिए। वहीं MIIs को वॉल्यूम के हिसाब से बनाए गए स्लैब वाइस सिस्टम को हटाना चाहिए।

नए सर्कुलर से रेवेन्यू स्ट्रीम खत्म हुई

नितिन कामत ने कहा कि ब्रोकर की ओर से किए गए टोटल टर्नओवर के आधार पर स्टॉक एक्सचेंज ट्रांजैक्शन फीस लेते हैं। ब्रोकर कस्टमर्स से जो फीस लेते हैं और महीने के अंत में एक्सचेंज जो ब्रोकर से फीस लेते हैं उसके बीच जो बच जाता है वही ब्रोकर को जाता है। ऐसी रिबेट दुनिया भर में आम है। ये रिबेट हमारे रेवेन्यू का करीब 10त्न और इंडस्ट्री में अन्य ब्रोकर्स के लिए 10-50त्न के बीच होती है। नए सर्कुलर के साथ यह रेवेन्यू स्ट्रीम खत्म हो गई है।

जीरो ब्रोकरेज स्ट्रक्चर को छोड़ना होगा

नितिन कामत ने कहा कि हम उन आखिरी ब्रोकर्स में से एक हैं जो फ्री इक्विटी डिलीवरी ट्रेड की पेशकश करते हैं। हम ऐसा इसलिए कर पाए क्योंकि स्न×ह्व ट्रेडिंग से जो रेवेन्यू जनरेट होता है उससे हम चार्ज की भरपाई कर पाते हैं।

अंबिकापुर दुर्ग ट्रेन का हो नागपुर तक विस्तार

-अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। अंबिकापुर के विधायक राजेश अग्रवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर यह मांग की है कि हमारा यह क्षेत्र आदिवासी अंचल है यहां के लोगों को बेहतर इलाज के लिए नागपुर जाना पड़ता है और कोई भी ट्रेन डायरेक्ट नागपुर तक ना होने के कारण इस क्षेत्र के लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतः रेल मंत्री जी अंबिकापुर से दुर्ग चलने वाली ट्रेन ट्रेन नंबर 18242 और दुर्ग से चलने वाली ट्रेन 18241 का विस्तार नागपुर तक कर दें जिससे कि इस सरगुजा आदिवासी अंचल के लोगों को नागपुर, दक्षिण भारत एवं नागपुर से अनेकों जगह आने जाने की सुविधा मिलने लगेगी। उक्त ट्रेन अंबिकापुर से चलकर दुर्ग में लगभग 11 घंटे खड़ी रहती है, जबकि दुर्ग से नागपुर जाने और आने में केवल 9 घंटे की लगेंगे और 2 घंटे में ट्रेन का मेंटेनेंस भी हो जाएगा। इस ट्रेन को नागपुर तक विस्तार किए जाने पर अतिरिक्त कोई सुविधा भी नहीं जुटाना पड़ेगी रेलवे विभाग को।

राजेश अग्रवाल जी ने 'हिंदुस्तान एक्सप्रेस के अनूपपुर ब्यूरो राजेश शिवहरे' से बात करते हुए कहा कि मैं अति शीघ्र रेल मंत्री से मिलकर दुर्ग अंबिकापुर एवं शहडोल नागपुर तक चलने ट्रेन का विस्तार भी अंबिकापुर तक करने की आग्रह मिलकर करूंगा। पूर्व में प्रस्तावित अंबिकापुर से रायपुर तक इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाने की मांग भी रेल मंत्री से करूंगा, उस ट्रेन को भी शीघ्र प्रारंभ किया जाए ऐसी हमारी अंबिकापुर क्षेत्र की जनता की मांग है। श्री अग्रवाल ने कहा कि रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव हमारी इस क्षेत्र की जनता की मांग पर गंभीरता से विचार करेंगे।

उक्त ट्रेन को नागपुर तक विस्तार कर देने पर इस क्षेत्र के लोग जो चिकित्सा लाभ हेतु अक्सर नागपुर जाते हैं उनके लिए सुगम हो जायेगा। साथ ही नागपुर से धार्मिक प्रयोजन से तिरूपति बालाजी, रामेश्वरम, नासिक व अन्य धार्मिक स्थलो एवं स्वास्थ्यगत प्रयोजन से पुणे, बॉम्बे, हैदराबाद बैंगलोर व अन्य बड़े शहरों के यात्रा करने में क्षेत्र के लोगों को सुविधाएँ मिलेंगी।

विधायक अंबिकापुर राजेश अग्रवाल ने रेल मंत्री से यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए इस ट्रेन को अम्बिकापुर से नागपुर स्टेशन तक विस्तार करने की पुरजोर मांग की है।

वित्तीय वर्ष 2024 –25 की प्रथम तिमाही में टिकट चेकिंग आय में झाँसी मंडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

झाँसी। मंडल रेल प्रबंधक झाँसी दीपक कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग झाँसी मंडल द्वारा बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही अप्रैल, मई व जून - 2024 में विशेष टिकट जाँच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा,बिना बुक लगेज एवं गंदगी फ़ैलाने व धूम्रपान करने वाले,अनाधिकृत वैंडरो एवं स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों में सघन जाँच करायी गयी। जिसके परिणाम स्वरूप इस वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में 1.87 लाख केस पर 13.32 करोड़ रूपये प्रभारित कर रेल राजस्व प्राप्त किया गया जून माह में 31051 बिना टिकट यात्रियों से रु-2.70 करोड़, अनाधिकृत यात्रा करने वाले 22618 यात्रियों से रु- 1.27 करोड़ तथा बिना बुक लगेज के साथ यात्रा करने वाले 338 यात्रियों से रु- 58270/- सहित कुल 54007 यात्रियों से रु- 3.99 करोड़ का जुर्माना वसूला गया। तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 (अप्रैल से जून 2023) की कुल अर्जित आय रु- 10.07/- करोड से वित्तीय वर्ष 2024-25 (अप्रैल से जून 2024) में कुल आय रु.- 13.32./- करोड अर्जित की गई है जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 32प्रतिशत अधिक है । जून माह - 2024 में वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी से 42914 केस पर 3.30 करोड़ रुपये तथा ग्वालियर से 7109 केस पर लगभग 43 लाख रूपये रेल राजस्व के रूप में जुर्माना वसूला गया टिकट चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के वेटिंग रूम तथा रेलगाड़ियो मे विकलांग , महिला कोच, आरएमएस कोच तथा पैंट्री कार की भी सघन चेकिंग हुई। उक्त प्रदर्शन में मुख्य रूप से मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक एम् एल मीना ,मुख्य टिकट निरीक्षक स्टेशन वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी हुकुम सिंह चौहान उप मुख्य टिकट निरीक्षक /उरई अभिषेक बहादुर सिंह सेंगर ,महेंद्र सिंह पटेल , अंशुल त्रिपाठी राकेश शर्मा आदि का योगदान रहा रेल प्रशासन द्वारा टिकट चेकिंग अभियान को और गति देते हुए चेकिंग स्क्वायड टीमों द्वारा ट्रेनों में औचक टिकट जांच की जा रही है । मंडल के विभिन्न रेल खंडों और मुख्य रेलवे स्टेशनो पर भी सघन टिकट जांच की जा रही है । उत्तर मध्य रेलवे यात्री सेवा में सदैव तत्पर है अतःयात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करे ,स्टेशन तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाए

सरस्वती स्कूल अनूपपुर में आयोजित किया गया गुड सेमेरिटन योजना का जागरूकता कार्यक्रम

अनूपपुर। अभियान की थीम 'बनो किसी की लाइफ का गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति)' पुलिस मुख्यालय पीटीआरआई भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पंवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के आदेश अनुसार यातायात प्रभारी अनूपपुर ज्योति दुबे एवं स्टाफ सरस्वती स्कूल अनूपपुर में गुड सेमेरिटन योजना के विषय में बच्चों एवं आमजन के बीच कार्यक्रम आयोजित कर योजना के विषय में बताया गया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 3 अक्टूबर 2021 से संचालित यह योजना जिसके तहत ऐसे नेक व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाता है, जिसने सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति को 'गोल्डन आवर' में अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर उसका जीवन बचाया हो, पुरस्कार स्वरूप नेक व्यक्ति (गुड सेमेरिटन) को 5000 की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होती है, जो समय पर उपलब्ध न होने पर ऐसे व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है या, व्यक्ति स्थाई रूप से अपंग हो जाता है सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य यह योजना लागू की गई है। जिसका उद्देश्य आमजन को घायल व्यक्तियों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित कर दुर्घटना के गोल्डन आवर में पीड़ित व्यक्ति को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाना है।

पात्रताः सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति, जिसके सिर या रीढ़ की हड्डी में चोट आयी हो, 3 दिन से अधिक अस्पताल में भर्ती रहा हो, ऐसे व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने वाले व्यक्ति को नेक व्यक्ति योजना के अंतर्गत पात्र माना जाएगा।

गुड सेमेरिटन चयनित करने की प्रक्रिया

यदि नेक व्यक्ति द्वारा सड़क दुर्घटना एवं घायल व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने की सूचना पहले पुलिस / स्थानीय थाने को दी है,तो पुलिस द्वारा ऐसे नेक व्यक्ति की जानकारी एक निर्धारित प्रारूप में नाम ,मोबाइल नंबर, घटना का स्थान ,तारीख, समय तथा कैसे पीड़ित व्यक्ति की जान बचाई गई है आदि बिंदुओं पर जानकारी नोट की जाएगी । दूसरी स्थिति में अस्पताल प्रबंधन भी नेक व्यक्ति की उक्त बिंदुओं पर जानकारी नोट कर पुलिस को दे सकता है।पुलिस थाना द्वारा ऐसे नेक व्यक्ति को पुरुस्कृत करने हेतु जानकारी थाना यातायात भेजी जाएगी। यातायात थाना द्वारा प्रस्ताव तैयार कर ,जिला मूल्यांकन कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा । मूल्यांकन समिति द्वारा समीक्षा और अनुमोदन उपरांत प्रस्ताव पुरस्कार राशि भुगतान हेतु परिवहन आयुक्त परिवहन विभाग के पास भेजा जाएगा। जहां से पुरस्कार राशि ?5000 संबंधित गुड सेमेरिटन व्यक्ति के बैंक अकाउंट में स्थानांतरित कर दी जाती है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर इनाम पाओ

पुष्पराजगढ़ के ग्राम करौंदी एवं शिवरी चंदास में होगा सघन पौधारोपण

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत करौंदी तथा शिवरी चंदास में पौधारोपण हेतु चयनित भूमि का स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक उद्यान सुभाष श्रीवास्तव जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के सीईओ वाटरशेड परियोजना के परियोजना अधिकारी श्री कोशरिया सहित संबंधित ग्राम पंचायत के कर्मचारी उपस्थित थे।

चयनित भूमि का कलेक्टर एवं जिपं सीईओ ने किया स्थल निरीक्षण

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने ग्राम पंचायत करौंदी में मियां बाकी पद्धति से 5 एकड़ क्षेत्र में किए जाने वाले पौधारोपण हेतु चयनित भूमि का स्थल निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर पौधारोपण कराए जाने के संबंध में संबंधितों को निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम पंचायत शिवरी चंदास के पहाड़ी को वृक्षों से आच्छादित करने के लिए किए जाने वाले पौधरोपण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा पौधरोपण की तैयारी के संबंध में जानकारी लेते हुए पौधरोपण कार्य में जनप्रतिनिधियों व जन सहभागिता से पौधरोपण कर पौधो के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुविधा को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज कार्य को जल्द पूर्ण करने कार्य में लाएं तेजी : अपर कलेक्टर

- अपर कलेक्टर ने निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज कार्य की वस्तुस्थिति का लिया जायजा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर अमन वैष्णव ने आज अनूपपुर जिला मुख्यालय में निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज कार्य का निरीक्षण किया तथा फ्लाईओवर ब्रिज कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के संबंध में कार्य में तेजी लाने के संबंध में आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर ने फ्लाईओवर ब्रिज के गुणवत्ता के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। अपर कलेक्टर को अवगत कराया गया कि फ्लाईओवर ब्रिज के दोनों ओर मार्गो में आवागमन की स्थिति बेहतर नहीं है। वर्षा के कारण कीचड़ की स्थिति उत्पन्न होने पर लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है। जिस पर अपर कलेक्टर ने कीचड़ वाले मार्ग पर बजरी गिट्टी डलवाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर ने निर्माणाधीन फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे रखे सरिया एवं अन्य निर्माण सामग्रियों को व्यवस्थित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर ने फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य की वस्तुस्थिति एवं प्रगति की जानकारी प्रतिदिन प्रदान करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी सेतु को दिए।

आपको बताते चलें यह फ्लाईओवर ब्रिज अनूपपुर की नागरिकों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसका विगत 4 वर्षो से हो रहा है निर्माण, कार्य में हो रही देरी को लेकर विगत 21 फरवरी को मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने फ्लाईओवर ब्रिज में निर्माण में हो रही देरी (लेट लतीफ)के कारण मौका मुआयना/ निरीक्षण किया था एवं अधिकारी/ ठेकेदार को ओवरब्रिज शीघ्र पुरा करने का निर्देश दिया था, तब रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरों ने वा ठेकेदार ने कहा था 30 जून तक हम हर हाल में यह पिलर खड़ा कर देंगे जिससे कि आगे का काम में गति आएगी औरअति शीघ्र फ्लाईओवर ब्रिज का कार्य पूरा हो जाएगा, मगर अफसोस उनके कहे अनुसार आज तक पूरा पिलर ही खड़ा नहीं हो पाया है। आग्रह है मंत्री जी से एक बार फिर से जाकर फ्लाईओवर ब्रिज का निरीक्षण करें कि अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन पर कितना कार्य हुआ है, कि हर बार केवल अधिकारी और ठेकेदार तारीख पर तारीख पर तारीख देते रहेंगे? नहीं बनेगा तो ब्रिज और अनूपपुर की भोली भाली जनता ऐसे ही परेशान होती रहेगी, धीरे-धीरे फ्लाईओवर ब्रिज को लेकर जन आक्रोश बढ़ रहा है, इस पर भी जिला प्रशासन को ध्यान देना होगा।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी सेतु, रेलवे के जूनियर इंजीनियर अरविंद श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि, पत्रकार राजेश शिवहरे एवं अन्य पत्रकारगण, वा नागरिक उपस्थित थे।

शिक्षक तो पढ़ा रहे हैं, लेकिन क्या बच्चे सीख भी रहे हैं?

– अतुल मलिकराम (लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार)

शिक्षा का मतलब कभी-भी किसी खाली पात्र में जल भरने तक ही सीमित नहीं रहा है। महान अर्थशास्त्री तथा नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन एवं अभिजीत बनर्जी भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि किसी भी अन्य की तुलना में शिक्षा एकमात्र ऐसा साधन है, जो जीवन के अवसरों में वृद्धि करने का सबसे कारगर जरिया है।

हमारे पुराणों में भी कहा गया है 'सा विद्या या विमुक्तये !' अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्त करे। पहले के समय में जब गुरुकुल शिक्षा हुआ करती थी, तब इस वाक्य का एक-एक शब्द अपनी बात पर खरा उतरता था। इसके मायने 90-2000 के दशक तक भी सटीक ही थे। लेकिन, बीते कुछ वर्षों में हमारे देश में शिक्षा का स्तर काफी नीचे गिर गया है। न तो शिक्षा प्रदान करने वाला इस गर्त में गिरने से खुद को रोक पाया है और न ही शिक्षा अर्जित करने वाला।

शिक्षक बेशक बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन मेरे मायने में उस शिक्षा का कोई महत्व नहीं, जो सिर्फ सिलेबस पूरा करने तक ही सीमित हो। शिक्षक जो पढ़ा रहा है, बच्चे उसे समझ पा भी रहे हैं या नहीं, यह गंभीर मुद्दा कक्षा में लगे बोर्ड के पीछे ही कहीं छिप जाता है। शायद वह भी शिक्षक की डाँट या मार से डरता हो।

कभी-कभी तो यह लगता है कि सत्र के भीतर सिलेबस को पूरा करना ही शिक्षकों का प्राथमिक कर्तव्य है, बच्चों के ज़हन में इसके अध्याय और उनसे मिलने वाली सीख बैठी या नहीं, इससे उन्हें शायद फर्क पड़ता ही नहीं। एक तथ्य यह भी है कि एक कक्षा में बच्चों की 50 से लेकर 70 तक की संख्या को दाखिल कर लिया जाता है, स्थिति अनुसार यह संख्या घट-बढ़ सकती है। अब यदि एक-एक बच्चे पर ध्यान देंगे, तो फिर वही बात, सिलेबस कब पूरा होगा? कमजोर बच्चे डर के मारे शिक्षकों से कुछ पूछ ही नहीं पाते और परिणाम के रूप में स्कूलों की यह भीड़ कोचिंग संस्थानों में बढ़ती चली जाती है। हालात ये हैं कि अब तो कोचिंग संस्थान भी स्कूल जैसे ही प्रतीत होने लगे हैं। इससे एक स्तर और आगे बढ़ते हुए इन संस्थानों में 100-100 बच्चों की बैच को एक साथ पढ़ाया जाता है। एक तरफ कुआँ और एक तरफ खाई के बीच डोलता हुआ बच्चा आखिर जाए, तो जाए कहाँ?

शिक्षा के मायने तब ही पूरे हो सकते हैं, जब कोई विषय विशेष जिस भाव और अर्थ के साथ पढ़ाया जाए, वह उसी भाव और अर्थ के साथ समझा और सीखा भी जाए। शिक्षा स्वतः तो है नहीं, जो सिर्फ पढ़ा देने भर मात्र से बच्चों को समझ आ जाए। यहाँ बड़ा प्रश्न उठता है कि इस कमी का आकलन किसका हो? बच्चे का, शिक्षक का या फिर पूरी की पूरी शिक्षा प्रणाली का?

भारत देश में प्रारंभिक शिक्षा को संविधान के तहत मूलभूत अधिकार (शिक्षा का अधिकार, 2009) घोषित किया गया है, यानि सभी 6 से लेकर 14 वर्ष के बच्चों को बिना किसी भेदभाव के अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) और एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) यह स्पष्ट करते हैं कि बच्चे अपनी उम्र और कक्षा के अनुसार सीख ही नहीं पाते हैं। प्राथमिक स्कूलों में 10 करोड़ से भी अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। बेहद चौंकाने वाले आँकड़ें उपरोक्त रिपोर्ट से सामने आए हैं कि इनमें से लगभग 55 फीसद बच्चे दस साल की उम्र में अपनी भाषा के अक्षर, शब्द या वाक्य ठीक से पढ़ भी नहीं पाते, लिखना तो बहुत दूर की बात है। वर्ल्ड बैंक में इसे लर्निंग पॉवर्टी कहा जाता है और यह बेहद दुर्भाग्य की बात है कि हमारा देश भी इसी श्रेणी में आता है। मैं फिर वही सवाल करता हूँ कि इसका जिम्मेदार कौन है, बच्चे, शिक्षक या शिक्षा प्रणाली?

फिर एक सवाल यह भी है कि क्या सभी बच्चे समान रूप से सीख पा रहे हैं? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, तीसरी कक्षा की पढ़ाई पूरी होने तक सभी बच्चों को पढ़ने, लिखने और सामान्य गणित के कौशल आ जाने चाहिए। एक तथ्य यह भी है कि इंसान के मस्तिष्क का 85-90 प्रतिशत विकास इसी उम्र (0-5) में होता है। और इस उम्र में जिन बच्चों को उचित शिक्षा नहीं मिलती, उनकी बुनियाद पूरे जीवन ही कमजोर बनी रहती है। इस उम्र में, उन्हें जो भी सिखाया जाता है, उन्हें कंठस्थ हो जाता है।

हमारे देश की शिक्षा प्रणाली बच्चों को शिक्षा के अवसर दे तो रही है, लेकिन 50 फीसद से भी अधिक बच्चों को कॉन्सेप्ट्स ही क्लियर नहीं हैं। ऐसे में, शिक्षकों को चाहिए कि वे एक-एक बच्चे का आकलन करें और उन कमियों को दूर करें, जो लगातार उनमें दिखाई दे रही है। बच्चों के उन कठिन बिंदुओं पर ध्यान दें, जो उन्हें समझ नहीं आते। अपने पढ़ाने के तरीके में बदलाव लाएँ। डाँटने-मारने से बचें, बच्चों से घुल-मिलकर रहें, ताकि कोई भी बिंदु समझ न आने पर वे बिना किसी डर या झिझक से खुलकर आपसे पूछ सकें। शासन को भी चाहिए कि ऐसे सिलेबस बनाएँ, जो बच्चों को आसानी से समझ आ सकें और उसे पढ़ने में उनकी रूचि बनी रहे, न कि उसे देख उनका मन पढ़ाई से ही कतराने लगे।

भारत की शिक्षा प्रणाली विराट, विस्तृत और विविध है। बतौर उदाहरण बात करें, तो बिहार की सरकारी प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत 63 हज़ार स्कूल आते हैं, जिनमें लगभग 1 करोड़ बच्चे और 2.5 लाख शिक्षक शामिल हैं। गौर करने वाली बात है कि यह संख्या कई पश्चिमी देशों की जनसंख्या से भी अधिक है। यह सिर्फ एक राज्य की बात है, पूरे देश की बात करेंगे, तो आँकड़ें खुद ही आपस में उलझ जाएँगे। क्या इतनी व्यापक शिक्षा प्रणाली में सुधार लाना वास्तव में उतना सरल है, जितना प्रतीत होता है? दो से तीन दशकों के प्रयासों का परिणाम है कि अधिकांश बच्चों का स्कूलों में नामांकन है, लेकिन इसके बावजूद सिर्फ 55-60 प्रतिशत बच्चे ही नियमित रूप से स्कूल जाते हैं।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत कुक्कुट, भेड़, बकरी व सूकर पालन हेतु मिलेगा ऋण एवं अनुदान

- जिले के बेरोजगार युवाओं से योजना का लाभ उठाने पशुपालन विभाग ने की अपील

अनूपपुर। पशु पालन एवं डेयरी विभाग की योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन वर्ष 2021 से प्रारंभ है, जिसके अंतर्गत मुख्यतः पशु नस्ल विकास तथा उद्यमिता विकास की गतिविधियों को शामिल कर बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण कुक्कुट पालन, भेड़ व बकरी पालन, सूकर पालन, साइलेज उत्पादन, फॉडर ब्लॉक तथा टोटल मिक्सड राशन के उत्पादन हेतु ऋण एवं अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। इच्छुक हितग्राहियों/उद्यमियों को बैंको से 50 प्रतिशत का ऋण एवं भारत सरकार द्वारा 50 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान राशि हितग्राहियों/उद्यमियों को समान 2 किस्तों में प्रदाय की जाती है। पहली किस्त बैंक द्वारा ऋण उपलब्ध कराने पर तथा दूसरी किस्त परियोजना पूर्ण होने पर भारत सरकार द्वारा सीधे ऋणदाता बैंक को उपलब्ध करायी जाती है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. ए.पी. पटेल ने बताया है कि योजना का लाभ लेने हेतु हितग्राही को nlm.udyamimitra.in पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करना होता है। योजना का लाभ व्यक्तिगत, स्वसहायता समूह, एफपीओ, एफसीओ और जेएलजी ले सकते हैं, जिसके लिए पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय रीवा/जबलपुर से 03 दिवसीय प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने बताया है कि 50 लाख लागत के पोल्ट्री फार्म 1000 पक्षी, हैचरी तथा मदर यूनिट की संयुक्त इकाई हेतु अधिकतम 25 लाख का अनुदान प्रदाय किया जाता है। 01 करोड़ लागत के 500+25 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 50 लाख का अनुदान, 80 लाख लागत के 400+20 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 40 लाख का अनुदान, 60 लाख लागत के 300+15 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 30 लाख का अनुदान, 40 लाख लागत के 200+10 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 20 लाख का अनुदान, 20 लाख लागत के 100+5 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 10 लाख का अनुदान प्रदाय किया जाएगा। 60 लाख लागत के 100+10 सूकर इकाई हेतु अधिकतम 30 लाख का अनुदान तथा 30 लाख लागत के 50+5 सूकर इकाई हेतु अधिकतम 15 लाख का अनुदान प्रदाय किया जाएगा।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. ए.पी. पटेल ने जिले के बेरोजगार युवकों से अनुरोध किया है कि उपरोक्तानुसार उद्यम स्थापित करने के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय के अधिकारियों से संपर्क स्थापित करते हुए आवेदन जमा कर योजना का लाभ उठाएं।

बडौदा महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

श्योपुर,उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार बडौदा के नवीन महाविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाविद्यालय श्योपुर के प्राचार्य डॉ विपिन बिहारी शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य महाविद्यालय बडौदा प्रोफेसर श्री आरआर मुवेल द्वारा तीन दिवसीय मार्गदर्शन सत्रो में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का स्वागत किया गया और उन्हें नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानो से अवगत कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उनकी आकांक्षाओ, परिवार की विद्यार्थियो के प्रति आशाओ तथा साथियो के साथ व्यवहार आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उनसे नियमित कक्षाओ में उपस्थिति की अपेक्षा की गई। दीक्षारंभ समारोह में विद्यार्थियो के साथ-साथ महाविद्यालयीन स्टॉफ तथा अभिभावक भी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने ग्राम इमलिया और फिरोजपुर का किया भ्रमण, संचालित कार्यों का किया अवलोकन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बुधवार को मुरैना जनपद के ग्राम इमलिया और फिरोजपुर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्राम

इमलिया में संचालित गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने जनपद सीईओ मुरैना को निर्देश दिये कि चारागाह पर बाउण्ड्रीवाल का प्रस्ताव और चारागाह भूमि को समतलीकरण का प्रस्ताव तैयार किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित पटवारी को निर्देश दिये कि गौशाला की भूमि चारागाह का सीमांकन के अलावा अन्य आवश्यक पूर्तियां शीघ्र पूर्ण की जायें। भ्रमण के समय जनपद सीईओ मुरैना महावीर जाटव, एसडीओ ईआरईएस ध्वनित मिश्रा, प्रभारी सहायक संचालक मत्स्य विभाग कमल नार्वे उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ग्राम फिरोजपुर में मिनी फिस फीड मिल का किया निरीक्षण

कलेक्टर अंकित अस्थाना ग्राम फिरोजपुर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत मिनी फिस फीड मिल एवं मछली पालन के तालावों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सहायक संचालक मत्स्य उद्योग कमल नार्वे ने बताया कि विभाग द्वारा मिनी फिस फीड मिल हेतु हितग्राही गौरव चतुर्वेदी को यह स्वीकृत किया गया है। जिसका अनुदान 12 लाख रूपये एवं एक हेक्टेयर के चार तालावों के निर्माण हेतु राशि 4 लाख 40 हजार रूपये की राशि का अनुदान दिया गया है।

खाद, बीज के नमूने अमानक होने पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये : कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना नेकहा है कि जिले में खाद, बीज के नमूने अमानक होने पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने यह निर्देश बुधवार को फर्म सुदर्शन एग्रो सेल्स एवं सावरिया ट्रेडर्स जीवाजी गंज मुरैना के खाद एवं बीज की दुकानों का औचक निरीक्षण करते समय कही। कलेक्टर ने दुकानदारों से वाजरा बीज की प्रजाति 9001, 86एम94, 9090 एवं तिली की माधव प्रजाति के पैकेटो को देखातथा वाजरा फसल में लगने वाले चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नासी 24डी (हीरा-44) एवं तिली फसल की खरपतवार नाशी ऐजिल का निरीक्षण किया।

भ्रमण के समय सहायक संचालक कृषि सहित अन्य कृषि अधिकारियों द्वारा बताया गया कि बीज एवं दवाओ के नमूने लगातारंनिरीक्षण हेतु लिये जा रहे हैं। कलेक्टर ने कृषि अधिकारियो को निर्देश दिये कि सभी दुकानों के नमूने अनिवार्य रूप से लिये जाये तथा नमूने अमानक होने पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये, ताकि कृषकों को उचित दामों पर उत्तम क्वालिटी का बीज एवंदवाई उपलब्ध हो सके।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में जनपद अम्बाह को मिला ''ए'' ग्रेड

मुरैना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) में दर्ज शिकायतों का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अम्बाह श्रीमती सुमन चक चौहान द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेते हुये निराकरण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के अनुश्रवण एवं निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये अम्बाह जनपद में माह मई 2024 में 55.4 प्रतिशत संतुष्टि वेटेज एवं 88.8 प्रतिशत कुल वेटेज के साथ ''ए'' ग्रेड प्राप्त कर प्रदेश स्तर पर अच्छा स्थान प्राप्त कियें है।

अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने विभाग की ओर से जनपद सीईओ अम्बाह श्रीमती सुमन चक चौहान और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का कार्य कर रहे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने प्रशंसा पत्र जारी करते हुये कहा है कि भविष्य में भी सभी इसी निष्ठा एवं समर्पण भावना से आमजन की सेवा निष्पादन में सी.एम. हेल्पलाइन (181) में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराते रहेंगे।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बुधवार को 78 वाहनों को चैक किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार द्वारा मुरैना जिले में संचालित स्कूल वाहनों की जाँच के लिये प्वाईट चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधान आरक्षक धीर सिंह बाथम, परिवहन आरक्षक कौशलेन्द्र भदौरिया, जितेन्द्र तोमर सहित अन्य स्टाफउपस्थित थे।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार ने संयुक्त चैकिंग अभियान में 78 से अधिक वाहनों को चैक किया। जिसमें मोटरयान अधिनियम की धारा का उल्लंघन करने पर 15 स्कूली वाहनों को जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थानों में रखवाया गया है। जिन स्कूली वाहनों को जप्त किया गया है, उनमें एमपी-06-टीए-0378, एमपी-06-टीए-1119, एमपी-06-जेडबी-0630, एमपी-06-टीए-1189, एमपी-06-बीए-1087, एमपी-06-टीए-1169, एमपी-06-टीए-0542, एमपी-06-पी-0942,एमपी-06-टीए-1006, एमपी-06-टीए-0822, एमपी-06-टीए-0286, एमपी-06-बीए-1140, एमपी-06-पी-0213, एमपी-06-टीए-0665 और एमपी-06-पी-0818 से लगभग 1 लाख 57 हजार रूपये का राजस्व प्राप्त।

समस्त स्कूल वाहन संचालकों, चालकों को सूचित किया है कि स्कूल वाहनों के वैध दस्तावेज

पूर्ण होने पर ही स्कूल वाहन का संचालन किया जाना सुनिश्चित किया जायें। जिससे चैकिंग के दौरान होने वाली असुविधा से बचा जा सकें। वाहन का स्कूल वाहन श्रेणी मे पंजीकृत, अनुबंध होना आवश्यक है। वाहन का बैध परमिट होना चाहियें। वाहन का बैध फिटनेस होना चाहियें। वाहन का वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र होना चाहियें। चालक, परिचालक का व्यवसायिक लायसेंस बैध होना चाहियें। वाहन का वैध बीमा होना चाहियें। वाहन में रिफ्लेक्टर टेप व्हीएलटीडी डिवाईस, जीपीएस, कैमरा, स्पीड गर्वनर डिवाईस लगा एवं चालू हालत में होना चाहियें।

अभिभावकों से अपील

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मुरैना द्वारा चैकिंग के दौरान यह देखने में आया है कि विद्यालयों में संचालित वाहन विद्यालय से अनुबंधित न होकर निजी वाहन के रूप मे संचालन किया जा रहा है, जो नियम विरूद्ध है। इस संबंध में वाहन में परिवहन किये जा रहे छात्र-छात्राओं के अभिभावको से अपील है कि वह अपने बच्चों को जिन विद्यालय भेज रहे हैं, यह सुनिश्चित कर लें कि उस वाहन का पंजीयन स्कूल वाहन श्रेणी, स्कूल अनुबंधित होकर नियमानुसार बैध दस्तावेज सहित वाहन तकनीकी रूप से चालू हालत में हो रहा है।

सदर बाजार में सेठजी के घर से निकला तीन ट्रॉली कचरा

परिवार की सदस्यों की शिकायत पर वार्ड पार्षद ने कराई सफाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। अपने घर सहित मकान की छत पर कचरा इकट्ठा करने के शौकीन सदर बाजार के सेठजी एक बार फिर से सुर्खियों में है। बीते साल तकरीबन कई क्विंटल कचरा निकलने के बाद इस बार फिर से नगर निगम के कर्मचारियों ने उनके घर से तीन ट्रॉली से अधिक कचरा निकाला। जिसे जेसीबी मशीन की मदद से ट्रेक्टर-ट्रॉलियों में लोड कर फिंकवाया गया। शहर के सदर बाजार में संजय ड्रेसेस के नाम से कपड़े का कारोबार करने वाले सेठजी योगेश गुप्ता के परिवार के सदस्यों ने नगर निगम के वार्ड-23 के

पार्षद से उनके घर में बड़ी मात्रा में कचरा जमा होने की शिकायत की थी। जब नगर निगम की टीम सेठजी के घर पहुंचीं तो घर के अंदर और छत्त पर कचरे के ढेर लगे हुए थे। सफाई कर्मियों ने कचरे को घर से निकालकर सड़क पर फेंकना शुरू किया तो पूरी सड़क भर गई। जिसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से कचरे को तीन से अधिक ट्रॉलियों में भरकर शहर के बाहर फिंकवाया गया।

एक साल पहले घर से निकला था 12 ट्रॉली कचरा

कचरा जमा करने के शौकीन सेठजी योगेश गुप्ता के घर से करीब एक साल पहले भी नगर निगम की टीम ने कचरा निकाला था। उस समय सेठजी के घर से सफाई कर्मचारियों ने 12 ट्रॉली से अधिक कचरा निकाला था। जिसे देखकर बाजार के लोग दंग रह गए थे।

लॉयंस क्लब मुरैना एलिट ने वर्ष 2024-25 के लिए कार्यकारिणी का गठन किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लॉयंस क्लब एलिट की प्रेसिडेंट लॉयन भारती मोदी, सचिन लॉयन ज्योति मोदी और कोषाध्यक्ष लॉयन मयूरी गुप्ता ने मीटिंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया। अध्यक्ष भारती मोदी ने बताया कि वर्ष भर कार्य सुचारू रूप से चलते रहे इसलिए सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां दी गई हैं।

पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर नीता बांदिल को जोन चेयरपर्सन बनाया गया है। उन्हें अब लॉयंस क्लब मुरैना एलिट, लॉयंस क्लब समन्वय और लॉयंस क्लब मुरैना का कार्य भी देखना होगा। सभी क्लब मेंबर्स ने उन्हें इस दायित्व के लिए बधाई दी। साथ ही क्लब मेम्बरशिप चेयर पर्सन

लॉयन डॉ. अनुभा माहेश्वरी, डायरेक्टर लॉयन मोनिका कंषाना, वाइस प्रेसीडेंट लॉयन डॉ. अनुपमा गर्ग, लॉयन अर्चना शर्मा, क्लब मार्केटिंग कम्युनिकेशन चेयरपर्सन लॉयन ऋचा गुप्ता, क्लब सर्विस चेयरपर्सन लॉयन अनीता गर्ग, लॉयंस क्लब इंटरनेशनल फेडरेशन कॉर्डीनेटर लॉयन नेहा गर्ग, टेमर लॉयन अंशु गुप्ता, ट्विस्टर लॉयन शैली मंगल को बनाया गया है।

मीटिंग में लॉयन तनु बांदिल, लॉयन पारुल गुप्ता, लॉयन बबीता गुप्ता , लॉयन प्रभा अग्रवाल, लॉयन मीरा अग्रवाल, लॉयन स्नेहा मित्तल, लॉयन एकता गोयल, लॉयन अर्चना शर्मा, लॉयन अनिता गर्ग, लॉयन ऋचा गुप्ता उपस्थित रहीं।

स्कूली बच्चों को नए कानून के बारे में नगर निरीक्षक ने जानकारी प्रदान की

मुरैना/पोरसा। एक निजी विद्यालय में नगर निरीक्षक रामनरेश यादव ने शासन द्वारा लागू किए गए नए कानून की विस्तृत जानकारी सभी बच्चों को उपलब्ध कराई, जिसमें बच्चों से संबंधित कानून घर परिवार से संबंधित कानून महिलाओं की कानून के बारे में विस्तार से बताया।

स्व. श्री मुरारीलाल शिक्षा प्रसार प्रसार समिति द्वारा पंडित पूतूराम स्कूल में विधिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पोरसा नगर निरीक्षक यादव ने बच्चों को नए क़ानून के बारे में संक्षिप्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि 14 वर्षीय बच्चे एवं वृद्धजन की गवाही जो होगी वह अपने घर एवं परिवारजनों की समक्ष ही गवाही देनी होगी। बच्चों को साथ पुलिसिंग के बारे में बताया एवं बच्चों को पढ़ाई के टिप्स दिए। बाद में विद्यालय परिवार ने नगर निरीक्षक रामनरेश यादव का सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक प्रदीप उपाध्याय, प्राचार्या मीनाक्षी पुरोहित, व्यवस्थापक संदीप उपाध्याय, अनुज, श्यामसुन्दर, कविता गुप्ता, नीलम शर्मा, प्रान्शी गोयल, प्रियंका नामदेव एवं विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक, स्टाफ़ उपस्थित रहे।

सामाजिक संस्था जैन मिलन शाखा पोरसा द्वारा शुरू किया गया पौधारोपण अभियान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। पोरसा शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था जैन मिलन शाखा पोरसा एवं श्री महावीर स्वामी धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत गत दिवस साधू सिंह जी चौराहे से गल्ला मंडी तक डिवाइडर पर समाजसेवी संस्था जैन मिलन द्वारा पौधा रोपण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से श्रीमती अंजलि-गौरव गुप्ता ने अपनी शादी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया और सभी को संदेश दिया कि अपने जन्मदिन और शादी की वर्षगांठ पर एक पेड़ अवश्य लगायें। वृक्षारोपण में मुख्य रूप से जैन मिलन शाखा के अध्यक्ष संजीव जैन, अवधेश तोमर, लल्लन सिंह, गोविंद शर्मा, कटारे जी शिक्षक, कृष्णमुरारी अग्रवाल, पप्पू गुप्ता, नरेश जैन, सुनील जैन, सुरेश चंद जैन, संजय जैन, लम्बू पल्लेदार एवं नन्हें बालक प्रतीक, देवांश जैन द्वारा सभी के जन सहयोग से वृक्षारोपण किया गया। पेड़-पौधों का मानव जीवन बड़ा महत्व यह हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं बल्कि तमाम प्रकार की फल-फूल जड़ी-बूटियां आदि भी देते हैं। घर के आस-पास पौधा रोपण करने से गर्मी धूल आदि की समस्या से बचा जा सकता है। यह बात जैन मिलन शाखा के अध्यक्ष संजीव जैन द्वारा वृक्षारोपण करते हुए कही गई। आगे कि बताया संस्था का लक्ष्य पर्यावरण एवं प्रकृति की दृष्टि से शहर को हरा-भरा बनाने का है। शहर के प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

शिकारपुर रोड छौंदा टोल पर फोर्टिफाइड चावल पकड़ा

मुरैना। फूड विभाग और सिविल लाइन थाने की संयुक्त टीम ने शिकारपुर रोड़ पर एमपी-06-जीए-2676 मैक्स वाहन में पीडीएस का फोर्टिफाइड चावल पकड़ लिया है। विदित है कि कलेक्टर अंकित अस्थाना ने निर्देश दिये कि जिले में पीडीएस की दुकानों पर पहुंचने वाले राशन की सख्ती से सर्चिंग की जाये। निर्देशों के तहत 2 जुलाई, मंगलवार को फूड विभाग और सिविल लाइन थाने की टीम द्वारा व्यापारी संतोष जैन और वाहन चालक उम्मेद राठौर के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत एफ्आईआर दर्ज की है। बताया गया है कि वाहन व चावल को जप्त किया गया। जिसकी कीमत दो लाख 38 हजार रुपये है। अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजा गया है।

वन स्टॉप सेन्टर पर जागरूकता शिविर सम्पन्न

मुरैना। हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन के 100 दिवसीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती अपूर्वा चौधरी द्वारा जागरूकता के द्वितीय चरण ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' सप्ताह के तहत विगत दिवसमुरैना ग्रामीण, मुरैना शहरी, परियोजना बानमौर सुपरवाइजर को पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 के बारे में जानकारी दी। लिंग परीक्षण एक तरह का अपराध है। लिंग परीक्षण करवाने वाला एवं करने वाला दोनों ही अपराध की श्रेणी में आते हैं। इसमें सजा एवं जुर्माना दोनों का भी प्रावधान अधिनियम के अंतर्गत किया गया है। कहीं पर भी इस अधिनियम का उल्लंघन हो तो तत्काल महिला बाल विकास विभाग को सूचना दे। वन स्टॉप सेंटर सखी के बारे में जानकारी दी गई। जहां 06 प्रकार की सुविधाएँ दी जाती है। समेकित बाल संरक्षण कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले शिशु गृह, बाल गृह, बालिका गृह, स्पॉन्सरशिप योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

एक दिवसीय जन्म-मृत्यु पंजीयन के रिवंपेड पोर्टल का प्रशिक्षण सम्पन्न

मुरैना। रजिस्ट्रार जन्म, मृत्यु पंजीयन कार्यालय द्वारा बताया गया कि 27 जून को एक दिवसीयरिवंपेड पोर्टल का प्रशिक्षण न्यू जिला पंचायत भवन मुरैना में दिया गया।

उन्होंने बताया कि सीआरएस रिवंपेड पोर्टल के संबंध में आ रही कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुये अर्द्ध दिवसीय प्रशिक्षण सहायक निदेशक, जनगणना कार्य निर्देशालय भोपाल अशीष श्रीवास्तव और जिला रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एस.के. मौर्य की उपस्थिति में जिले में पंजीयनकर्ता इकाईयों समस्त नगरीय निकाय, अस्पताल (शासकीय एवं प्राईवेट) एवं समस्त जनपद पंचायतों से आये अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण गया।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.:C/JHS/158/GWL/WVMs/e-Auction/2024 दिनांक: 01.07.2024

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी: Misc-Static- Service -Water Vending Machines

केटलोग संख्या : JHS-WVM-02-2024

क्लस्टर/यूनिट्स (स्टेशन): क्लस्टर-06-यूनिट (ग्वालियर), 01-यूनिट-प्लेटफार्म सं. 02 (चित्रकूट धाम कर्वी रेलवे स्टेशन)

एसेट्स डिटेल्स: झाँसी मंडल के ग्वालियर एवं चित्रकूट धाम कर्वी रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन के ठेके हेतु ई-नीलामी

यूनिट का नाम	प्लेट फार्म	लोकेशन
GWALIOR - 01	1	Near Pillar No. 1013A JHS end
GWALIOR - 02	1	Near FOB AGC end
GWALIOR - 03	2/3	Between Pillar No. 22 & 20 JHS end
GWALIOR - 04	2/3	Near Pillar No. 94 AGC end
GWALIOR - 05	4	Near Pillar No. 14 JHS end
GWALIOR - 06	4	Near Pillar No. 41 AGC end
CHITRAKOOT DHAM - 02	02	Between Pole 1388/5 & 1388/6

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय: दिनांक 16.07.2024 को समय-10:30 से

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक 16.07.2024 को समय-11:10 तक

नोट: उक्त ठेकों के आबंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट-**www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1150/24 (AN)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

कार्यालय नगर पालिका परिषद पोरसा, जिला मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/2024/ **पोरसा, दिनांकः- 02.07.2024**

//विज्ञप्ति//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सीमान्तर्गत विभिन्न वार्डों में निम्नानुसार आवेदकों द्वारा निकाय में आवेदन प्रस्तुत कर भूमि/भवन नामान्तरण चाहा गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ठोस प्रमाण के साथ 30 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा की स्थिति में निम्नानुसार क्रमांक 01 से 13 तक के हितग्राहियों के नाम विक्रेताओं के स्थान पर क्रेताओं के नाम नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 (1) के तहत नामांतरण किये जायेंगे। बाद अवधि के आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.	क्रेता का नाम, पिता/पति का नाम एवं वर्तमान पता सहित	विक्रेताओं के नाम पिता/पति का नाम एवं वर्तमान पता सहित	भूमि/भवन सर्वे नंबर एवं नगर पालिका पंजी का अनुक्रमांक
1	श्रीमती सरोज गुप्ता/राजेन्द्र कुमार गुप्ता	उग्रसेन लॉजिस्टक (घनश्याम) वार्ड क्र. 1 जोटई रोड पोरसा	830/2 प्लॉट 832/2
2	स्वेता गुप्ता/राधेश्याम	उग्रसेन लॉजिस्टक (घनश्याम) वार्ड क्र. 1 जोटई रोड पोरसा	830/2 प्लॉट 832/2
3	उमा गुप्ता/सुरेन्द्र गुप्ता	उग्रसेन लॉजिस्टक (घनश्याम) वार्ड क्र. 1 जोटई रोड पोरसा	830/2 प्लॉट 832/2
4	राजकुमारी जैन/कैलाशचन्द	कुसुमा देवी पत्नी सुमित प्रकाश	1595/3 भवन
5	रिपुदमन/मुकेश सिंह पूनम तोमर/मुकेश सिंह	कमला देवी/होम सिंह धर्मेन्द्र सिंह/होम सिंह	1432/2/5 भवन 20
6	दीपक सिंह/विजेन्द्र सिंह परिहार	श्रीमती शिमला शर्मा पत्नी नारायण शर्मा	836/3 भवन 408
7	बेनीराम गुप्ता/रामगोपाल गुप्ता	अम्बरीश कुमार/रामविलास शर्मा	1468/1/8 भवन 349
8	रविन्द्र, सुरेन्द्र बगैराह पुत्रगण बदलू प्रजापति	स्व. बदलू प्रजापति अजुद्दी प्रजापति	भवन 346 वार्ड क्र. 3
9	संगीता देवी/धर्मेन्द्र सिंह तोमर	रामअवतार/भारत दास	1570 प्लॉट
10	रामकुमार रावत/महेन्द्र सिंह	भीमसेन/कप्तान सिंह, जबर सिंह/कप्तान सिंह	957/1/2 प्लॉट 958/1/2
11	सुरेन्द्र सोलंकी/रामस्वरूप	रामदास/ग्याराम राठौर वार्ड क्र. 7	1660/4/25/1 भवन 351
12	लक्ष्मी देवी/सत्यभान सिंह सिकरवार	राजीव अग्रवाल/सम्पूर्ण गुप्ता	544 प्लॉट
13	ममता देवी पत्नी वरन सिंह	अजीत सिंह/सतेन्द्र सिंह, जय सिंह/सुमेर सिंह तोमर	545 प्लॉट

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पोरसा

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र)

कमांक-क्यू/3/मा.रा./खनिज/2024/538 **मुरैना,दिनांक- 24/06/2024**

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका-श्रीमती सरिता देवी पत्नी श्री शिवराम सिंह निवासी-करोली माता रोड थानेदार गली अम्बाह तहसील अम्बाह जिला मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र दिनांक- 20.04.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक- 28/07/2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आंमत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	अम्बाह	पुरावस खुर्द	210/1 210/2	0.500 हे0 0.500 हे0 1.000 हे0	निजी भूमि	मिट्टी उत्खनन कर चिमनी भट्टा से ईट निर्माण(मिट्टी उत्खनिपट्टा)	

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

G12866/24

प्रशंसनीय और प्रेरक है पत्रकारिता और सरोकारों का यह सार्थक सफर

एमपी हलचल टीवी न्यूज चैनल ने स्टेट अचीवर्स अवार्ड समारोह में किया प्रदेश की प्रतिभाओं का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। मंगलवार को भोपाल के शहीद भवन सभागार में आयोजित एमपी हलचल टीवी न्यूज चैनल के स्टेट अचीवर्स अवार्ड समारोह में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि पत्रकारिता चुनौती का क्षेत्र है, सच को सामने लाना और निरंतर संघर्ष करते हुए अपनी उपस्थिति और कलम का दखल बनाए रखना आसान नहीं है। एमपी हलचल टीवी न्यूज चैनल की प्रशंसा की जानी चाहिए कि न केवल वह साल 2004 से प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और वेब पोर्टल पत्रकारिता के जरिए आज बीसवे साल भी मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है बल्कि पत्रकारिता, चिकित्सा से लेकर समाजसेवा और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों की प्रतिभा को हम सबके सामने लेकर आ रहा है। पत्रकारिता और सरोकार की इस अद्भुत जुगलबंदी की प्रशंसा की जानी चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर डॉ के जी सुरेश ने की। उन्होंने सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि समाज के भद्रजन जब किसी अच्छे और सफल कार्य का सम्मान करते हैं तो शेष समाज को भी प्रगति की नयी दिशा मिलती है। उन्होंने कहा की माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय देश का ऐसा अनोखा मीडिया विश्वविद्यालय है जो स्वावलंबी, आत्मनिर्भर एवं रोजगारों उन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। यहां से पास होने वाले विद्यार्थी संपूर्ण भारत के मीडिया जगत में एक आइकॉन का कार्य कर रहे हैं । समारोह में बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि ग्रास रूट लेवल पर कार्य करने वाले पत्रकारों को समाज में महत्वपूर्ण स्थान मिलना जरूरी है। ऐसे अवार्ड समारोह प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए सार्थक प्रयास हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व प्रोटेम स्पीकर एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि एमपी हलचल टीवी न्यूज चैनल ने ग्वालियर चंबल से निकलकर समूचे मप्र में जिस तरह खुद को स्थापित किया है वह इस संस्थान की कर्मठता, निरंतरता एवं समर्पण का परिणाम है। मंच से वरिष्ठ पत्रकार डॉ. केशव पांडे ने मीडिया की वर्तमान स्थिति को विस्तार से रेखांकित किया और सभी विजेताओं को बधाई प्रेषित की। उन्होंने समाज में मिलने जुलने की आवश्यकता और परस्पर प्रत्यक्ष संवाद के अभाव में हो रहे सामाजिक विघटन एवं विकृतियों पर भी प्रकाश डाला। समारोह के सहभागियों को श्री राजा बाक्षर महाराज मंदिर के महंतश्री महंत संजय इतापे ने आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने भी सम्मानित हुई प्रदेश की प्रतिभाओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उपस्थित युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन एमपी हलचल टीवी न्यूज चैनल के मध्यप्रदेश संपादक जितेन्द्र सिंह जादौन ने किया। समारोह में समूचे मप्र से राजनेता, समाजसेवी, साहित्यकार, पत्रकारगण एवं मीडिया जगत के विशेषज्ञों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

डॉ. रामदीन त्यागी हुए सम्मानित

समारोह में अतिथियों ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोड्यूसर एवं राजभाषा अधिकारी डॉ. रामदीन त्यागी को पत्रकारिता के क्षेत्र में एमपी हलचल स्टेट अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया । उनके साथ समाजसेवा, शासकीय सेवा, चिकित्सा, खेल आदि क्षेत्रों में प्रतिभाओं को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

जेके ग्रुप की कंपनियों का पूरे भारत में व्यापक रक्तदान अभियान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली। 138 साल पुरानी विरासत वाले एक प्रसिद्ध औद्योगिक समूह जेके ऑर्गनाइजेशन ने अपने पूर्व अध्यक्ष और 4 बिलियन अमेरिकन डॉलर वाले समूह के प्रमुख वास्तुकारों में से एक स्व. हरि शंकर सिंघानिया की 91वीं जयंती मनाने के लिए अपने समूह की कंपनियों में पूरे भारत में 'रक्तदान शिविर' आयोजित किए।

समूह की कंपनियों के विभिन्न संयंत्रों और बिक्री कार्यालयों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 7,500 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। सामाजिक सेवाओं में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए जाना जाने वाला जेके ऑर्गनाइजेशन स्व. हरि शंकर सिंघानिया को विशेष श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल समूह की कंपनियों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित करता है। 'पद्म भूषण' से सम्मानित हरि शंकर सिंघानिया ने जेके ऑर्गनाइजेशन के विकास और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, कई नए उद्यम स्थापित किए और अनेक कंपनियों को समूह में एकीकृत किया। इस पहल के बारे में बात करते हुए, जेके ऑर्गनाइजेशन के चेयरमैन भरत हरि सिंघानिया ने कहा, 'जेके ऑर्गनाइजेशन में, सामाजिक योगदान हमारे मूल्यों में गहराई से समाहित है। इस वार्षिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य श्री हरि शंकर सिंघानिया की विरासत का सम्मान करना और वंचितों के जीवन और कल्याण में सुधार करना है। हमें इस रक्तदान अभियान में अपने कर्मचारियों की जबरदस्त भागीदारी पर बेहद गर्व है, जो सकारात्मक प्रभाव डालने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस रक्तदान अभियान में जेके टायर, जेके पेपर, जेके लक्ष्मी सीमेंट, जेके एग्री जेनेटिक्स, जेके फेनर, जेके फूड्स, जेके इंश्योरेंस, पीएसआरआई हॉस्पिटल और जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी सहित जेके समूह की अनेकों कंपनियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।'

अमानक उर्वरक के क्रय, विक्रय, भण्डारण तथा स्थानांतरण पर लगा प्रतिबंध

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अमानक पाये गये उर्वरक के क्रय, विक्रय, भण्डारण एवं अन्य स्थान पर ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध उर्वरक पंजीयन अधिकारी एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक पीसी पटेल ने लगाया है।

उप संचालक पीसी पटेल ने जारी प्रतिबंधित आदेश में कहा है कि निर्माता कंपनी म.भा.फास्फेट प्रा.लि. मेघ नगर झाबुआ का उर्वरक मध्यप्रदेश राज्य विपणन सहकारी संस्था अम्बाह से विक्रय किया जा रहा था। इसकी गुणवत्ता का नमूना 11 जून, 2024 को लिया गया था, जो परीक्षण के दौरान अमानक पाया गया है। इस संबंध में श्री पटेल ने इस उर्वरक के बैच लॉट क्रमांक एमबीपीपी-226एवं नमूना कोड एचए-08 के उर्वरक को जिले में क्रय, विक्रय, भण्डारण एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई है।

जन जातीय छात्रावास हुरावली में हुआ वृक्षारोपण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। ग्वालियर जिलांतर्गत कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान और अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार जिले भर के छात्रावासों में वृक्षारोपण कार्य किया जा रहा है। उसी क्रम में आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास हुरावली में भी वृक्षारोपण कार्य किया गया। वृक्षारोपण का पुनीत कार्य डॉ.केशव पांडेय कार्यालय प्रमुख केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कर कमलों द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जीतेन्द्र डंगरौलिया जिलाध्यक्ष सरपंच संघ, सरपंच बांहगी खुर्द, राजेन्द्र मुदगल, हरिओम गौतम, बृजेश गुप्ता, अशोक शर्मा, मनीष शर्मा, मनोज शर्मा, शिवम धमोले, छात्रावास के छात्र दिलीप बामनिया, शामजीलाल आर्य, हेमंत पटेल, जोगा परमार, अनिल अजनार, अनिल जामोद, रमेश चंगोड, रंजीत बरडे, जय सिंह, और छात्रावास अधीक्षक अशोक शर्मा ने भी एक एक पेड़ लगाया। वृक्षारोपण के दौरान बरगद,कचनार, जामुन,पाकर, अमरूद, बीलपत्र, नीम, सैजना आदि के पेड़ लगाए गए। लगाये गये पेड़ों को वायुदूत एप पर अपलोड कर दिया गया।

इस अवसर पर श्री पांडेय द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को जीवित रखने के लिए सतत निगरानी हेतु फोटो भेजने के लिए अधीक्षक और कर्मचारियों को कहा। अधीक्षक ने इस अवसर पर अपने पर्यावरण प्रेमी होने और पेड़ों को पोषित करने का संकल्प लिया।

चन्द्रकान्ता शिवहरे को राष्ट्रीय कलार महासभा ग्वालियर की महिला जिला उपाध्यक्ष बनाया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। राष्ट्रीय कलार महासभा के संस्थापक अखिलेश शिवहरे, अध्यक्ष कार्तिकेय गुप्ता (शिवहरे), मंत्री नरेंद्र शिवहरे, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती आरती शिवहरे द्वारा चंद्रकांता शिवहरे को राष्ट्रीय कलार महासभा का ग्वालियर (म.प्र.) की महिला जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। संगठन को आशा है यह सच्ची निष्ठा व लगन से संगठन में कार्य करेंगी। आप लोग भी राष्ट्रीय कलार महासभा से जुड़ें। संपर्क सूत्रः 9058367351,8441086394 अपने मनोनयन पर उन्होंने संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है, वहीं उनके मनोनयन पर अनेक लोगों ने बधाई प्रेषित की है।

प्रदेश सरकार का यह बजट मिश्रित बजट है: डॉ. प्रवीण अग्रवाल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। मप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्री ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट के संबंध में कहा है कि बजट में व्यापारियों के ऊपर लगने वाला प्रोफेशनल टेक्स स्टाम्प ड्यूटी में समीपवर्ती प्रदेशों से तुलनातामक कमी कर पेट्रोल-डीजल को GST में लाने की पहल करनी चाहिए थी प्रदेश सरकार को, जिसका बजट में आभाव देखने को मिला है, जो व्यपारियों की निराशा वाला पक्ष है। वहीं ग्वालियर में सरसों अनुसन्धान केंद्र की स्थापना स्वागत योग्य है, क्योंकि ग्वालियर चंबल संभाग में सरसों की रिकॉर्ड पैदावार होती है, परिणामस्वरूप मुरैना में पहले से मस्टर्ड ऑयल की बड़ी इकाई स्थापित है और नई इकाई भी लग रही है जिनका ऑयल देश-विदेश में जाता है। अब अनुसंधान केंद्र होने से अच्छी पैदावार के साथ पैदावार का अच्छा उपयोग करने में मदद मिलेगी। सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है। इसके साथ ग्वालियर शहर में ई-बस सेवा का संचालन किया जायेगा, जो स्वागत योग्य है। लेकिन शासन और प्रशासन को पिछली बार स्मार्ट सिटी द्वारा चलाई गई बस सेवा से सबक लेकर छोटी-छोटी बस चलाना चाहिए और इनके निरंतर चलने में कोई अवरोधक नहीं बने इसके लिए प्रशासन को कमर कसनी होगी। पीएमश्री कॉलेज एक अच्छा परिकल्प साबित होगा, जो ग्वालियर शहर धीरे-धीरे शिक्षा का हब बनता जा रहा है उसमें सहयोग करेगा।

कुल मिलाकर यह बजट मिश्रित है, क्योंकि इसमें व्यापारियों के लिए कोई सीधी घोषणा नहीं की गई है।

मध्यप्रदेश सरकार के बजट से उद्योग और व्यापार में उत्साह नहीं : भूपेन्द्र जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधान सभा में प्रदेश का पूर्ण बजट पेश किया, 365067 करोड़ के बजट में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि उद्योग एवं व्यापार को बढ़ाने के लिये इतनी राशि का प्रावधान किया गया और व्यापारियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये इस योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त होगा। उक्त प्रक्रिया देते हुए कैट के प्रदेशाध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि यह बजट उद्योग और व्यापार के लिए उत्साह पैदा नहीं करता है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम वर्ग के उद्योग और व्यापार के लिये किसी भी प्रकार की योजना लागू नहीं की गई है, जो प्रदेश भर में औद्योगिक क्षेत्र हैं उनकी स्थिति दयनीय है। नये औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिये बडे निवेश की संभावना इस बजट में नहीं दिखी। राज्य सरकार बेरोजगारों को रोजगार नहीं दे पा रही है, बड़े उद्योग एवं व्यापार में भी नया आकर्षण पैदा नहीं कर पा रही है। इसलिये इस बजट को उत्साह वर्धक बजट नहीं कहा जा सकता।

मध्य प्रदेश सरकार के बजट में व्यापारियों को कुछ नहीं: दीपक पमनानी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। कैट ग्वालियर के जिलाध्यक्ष दीपक पमनानी ने कहा है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधान सभा में प्रदेश का पूर्ण बजट पेश किया सरकार से उम्मीद थी की व्यापारियों के लिए कुछ राहत और पेंशन योजना जैसी कोई आकर्षक घोषणा इस बजट में होगी, ना ही उद्योगों के लिए कुछ विशेष योजना इस बजट में लायी गई। कुछ मल्टनेशन कंपनियो को प्रदेश के बी श्रेणी के शहरों में लाने के लिए विशेष प्रावधान किए जाते तो मध्य प्रदेश के लाखों बच्चो को रोज़गार और पिछड़ते शहरों को आर्थिक लाभ का बूस्टर मिलता, व्यापारी, उद्योगपति जो की रोज़गार देते है इनको कुछ लाभ योजनाओं के माध्यम से मिलता तो और रोज़गार के अवसर इनके द्वारा भी दिये जाते जिससे प्रदेशके लिए और बेहतर होता।

खरीफ फसल में खाद, बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे: कलेक्टर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि खरीफ फसल में खाद, बीज पर्याप्त मात्रा में कृषकों को उपलब्ध रहे। इसके लिये कृषि विभाग से जुड़े अधिकारी एवं संबंधित एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों की दुकानों का औचक निरीक्षण करें और कार्यवाही भी करें। कहीं भी अमानक बीज विक्रय एवं कालाबाजारी नहीं होना चाहिये। वे गत दिवस उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध संघ, सहकारिता, मार्केफेड, एमपी एग्रो, डीसीसीबी की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि विभाग के उपसंचालक पीसी पटेल, सहायक संचालक अनंत सड़ैया, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, नावार्ड सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

खरीफ फसल में 251967 हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य तय

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कहा कि खरीफ 2024 का 2 लाख 51 हजार 967 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभी भी तक 94 हजार 190 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की जा चुकी है। जिसमें 340 धान, 230 ज्वार, 90 हजार बाजरा, 25 मक्का, 340 ग्वार, 880 तुवर, 240 उड़द, 375 मूंग, 150 मूंगफली, 245 तिल, 480 सोयाबीन और 885 हेक्टेयर क्षेत्र में अन्य फसलों की बुवाई की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि खरीफ वर्ष 2024 में बीज भण्डारणका लक्ष्य 16 हजार 800 क्विंटल का है। जिसमें उपलब्धता 21 हजार 298 उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि भण्डारण क्विंटल 12 हजार 414 है। अभी तक 6 हजार 880 क्विंटल बीजों का वितरण किया जा चुका है, शेष 5 हजार 534 क्विंटल बीज उपलब्ध है। अभी तक बीज वितरण में मक्का 30 क्विंटल, ज्वार 105 क्विंटल, बाजरा 3 हजार 705 क्विंटल, उड़द 60 क्विंटल, मूंग 125 क्विंटल, अरहर 425 क्विंटल, तिल 80 क्विंटल, मूंगफली 35 क्विंटल, सोयाबीन 230 क्विंटल, धान 1265 क्विंटल, ग्वार 830 क्विंटलवितरण की जा चुकी है।

बैठक में उपसंचालक ने बताया कि जिले में खरीफ 2024-25 के लिये 69 हजार 950 मैट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 29 हजार 142 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। 3 हजार 956 मैट्रिक टन का वितरण किया जा चुका है। अभी भी 25 हजार 186 मैट्रिक टन उर्वरक शेष है।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के लिये प्रेरित करें, इसके लिये अगले सात दिन में कोई भी ऐसा गांव बतायें, जिसमें उसको सभी योजनाओं का लाभ मिला हो। उन्होंने मिट्टी परीक्षण के बारे में भी अधिकारियों को निर्देश दिये।

कलेक्टर ने सहकारिता विभाग की समीक्षा की

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने पैक्स कंप्यूटराईजेशन योजना की प्रगति की समीक्षा की। जिसमें सहकारिता की ओर से सुश्री अनुभा सूद ने कहा कि योजनान्तर्गत स्वीकृत कुल पैक्स की संख्या मुरैना में 89 है। जिनमें से ईआरपी लॉगइन 89 प्राप्त हो गये है। 84 ईआरपी पर लाइव हो चुकी है। 5 गौ लाइव शेष है।

कलेक्टर ने पशुपालन विभाग की समीक्षा की

पशुपालन, मछली पालन की केसीसी 30 सितम्बर तक पूर्ण करें

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने पशुपालन एवं मछली पालन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि पशुपालन और मछली पालन की केसासी 30 सितम्बर तक पूर्ण करें। ऐसी पॉलिसी अपनायें कि लक्ष्य पूर्ण हो जाये।

बैठक में पशुपालन विभाग के उपसंचालक ने बताया कि जिले में एक लाख 8 हजार 548 गौवंश,6 लाख 85 हजार 578 भैंसवंश, 1 लाख 4 हजार 610 भेड़, 1 लाख 65 हजार 419 बकरी और 4 हजार 385 सुअर पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य 1 लाख 46 हजार का रखा हुआ है। जिसमें 28 हजार 37 की उपलब्धी हासिल हो चुकी है। बैठक में उद्यानिकी विभाग की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने नावार्ड के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा बैठक ली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मंगलवार को नावार्ड की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि पहाडगढ़ विकासखण्ड के अंतर्गत वाडी विकास परियोजना के कार्यों में प्रगति बतायें।

नावार्ड डीडीएमश्री आशीषजे श्रीवास्तव ने बताया कि नाबार्ड की वाडी विकास परियोजना के अंतर्गत पहाड़गढ़ विकासखंड में 10 गांव को चिन्हित करते हुए 3 करोड़ 34 लाख रुपए का अनुमोदन नाबार्ड द्वारा 29 मार्च 2022 को किया गया था, उक्त परियोजना की अवधि 5 वर्ष है। जिसमें 450 आदिवासियों को वाडी विकास (फ्रूट उद्यान) एवं 50 भूमिहीन आदिवासियों को पशुपालन के माध्यम से सहायता दी जानी है। परियोजना के अंतर्गत रिएक्ट संस्था द्वारा क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें वाडी (फ्रूट उद्यान), सब्जियों की इंटरक्रॉपिंग, फार्म इक्विपमेंट्स, भूमि संरक्षण, जल संरक्षण फफार्म पांड, सोलर पंप, सोलर पैनल, डीप बोर आदि), पशुपालन, कुक्कुट पालन, स्व-सहायता समूहों को आजीविकोन्मुखी प्रशिक्षण, एफ्पीओ गठन एवं संवर्धन आदि गतिविधियां पूर्ण की जानी हैं।

वर्तमान प्रगति

प्रथम वर्ष की 200 वाडी एवं द्वितीय वर्ष की 60 वाडी अभी तक संस्था द्वारा विकसित की गई थी, जिनमें से अधिकांश वाडी इस वर्ष भीषण गर्मी के प्रकोप के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। नाबार्ड डीडीएम आशीष जे श्रीवास्तव और क्रियान्वयन संस्था द्वारा आश्वस्त किया गया है, कि उक्त वाडियों में पुनः पौधरोपण कर 31 अगस्त 2024 तक दुरुस्त कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त आदिवासियों को वाडी के सुचारू संचालन हेतु जल संरक्षण गतिविधि के अंतर्गत सोलर पंप, डीप बोर, वाटर टैंक आदि उपलब्ध करवाए गए हैं, जिसके माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ड्रिप इरीगेशन भी कुछ आदिवासियों को उपलब्ध करवाई गई है, कुछ प्रगतिशील आदिवासियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सब्जियों की इंटरक्रॉपिंग भी करवाई गई है। इसके अतिरिक्त स्प्रिंकलर इरिगेशन और ड्रिप इरीगेशन आदिवासी हितग्राहियों को उपलब्ध करवाने के लिये उद्यानिकी विभाग को प्रस्ताव दिया गया है। भूमिहीन हितग्राहियों को पशुपालन संबंधित गतिविधियों के माध्यम से लाभ उपलब्ध करवाना शेष है, जो कि 31 अक्टूबर 2024 तक सुनिश्चित कर लिया जाएगा। अन्य गतिविधियों में भी त्वरित प्रगति हेतु नाबार्ड द्वारा क्रियान्वयन संस्था को सख्त दिशा निर्देश दिए गए हैं। परियोजना के हितग्राहियों को कन्वर्जेंस के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ दिलवाने के लिये अन्य विभागों से भी समन्वय स्थापित किया गया है।

बैठक में कृषि विभाग के उपसंचालक पीसी पटेल, सहायक संचालक अनंत सड़ैया, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।